



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 155]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 20, 2017/ज्येष्ठ, 30, 1939

No. 155]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 20, 2017/ JYAISTHA 30, 1939

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जून, 2017

अंतिम जांच परिणाम

विषय: चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "टैक्सचर्ड टैम्पर्ड कोटेड और अनकोटेड ग्लास" के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की जांच।

फा. सं. 14/03/2016-डीजीएडी: 1. मैसर्स गुजरात बोरोसिल लिमिटेड (जिसे एतद्पश्चात याचिकाकर्ता अथवा आवेदक के रूप में भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम के रूप में भी कहा गया है) तथा समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात नियम के रूप में भी कहा गया है) के अनुसार चीन जन. गण. (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध देश के रूप में भी कहा गया है) से "अधिकतम 4.2 मि.मी. मोटाई वाले (0.2 मि.मी. के टोलरेंस सहित), जिसका कम से कम एक माप 1500 मि.मी. से अधिक हो, चाहे वह लेपित (कोटेड) हो या अलेपित (अनकोटेड) टैक्सचर्ड टफन्ड (टैम्पर्ड) ग्लास" (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध वस्तु अथवा विचाराधीन उत्पाद के रूप में भी कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतद्पश्चात प्राधिकारी के रूप में भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दाखिल किया है।

2. जबकि, प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार, चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव के निर्धारण के लिए और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी मात्रा की सिफारिश करने के लिए, जो यदि लगाया जाता है तो वह घरेलू उद्योग की कथित क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा, संबद्ध जांच आरंभ करने के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 23 जून, 2016 की अधिसूचना संख्या 14/03/2016-डीजीएडी जारी की थी।

क. प्रक्रिया

3. संबद्ध जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा नीचे दी गई प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :

- i. निर्दिष्ट प्राधिकारी को उपरोक्त नियमों के तहत घरेलू उद्योगों की ओर से आवेदक से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है, जिसमें चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "टैक्सचर्ड टैम्पर्ड कोटेड और अनकोटेड ग्लास" के कथित पाटन का आरोप लगाया गया था।
- ii. प्राधिकारी ने कथित नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांच आरंभ करने के लिए आगे की कार्रवाई आरंभ करने से पूर्व पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में चीन के दूतावास को अधिसूचित किया।
- iii. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में, पाटनरोधी जांच प्रारंभ करने के लिए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 23 जून, 2016 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- iv. प्राधिकारी ने भारत में चीन जन. गण. के दूतावास, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार चीन जन. गण. से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और घरेलू उद्योग को जांच आरंभ करने संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे यह अनुरोध किया कि वे जांच प्रारंभ होने संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं।
- v. प्राधिकारी ने चीन जन. गण. में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को (जिनके ब्यौरे आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) संगत जानकारी प्रकट करने के लिए निर्यातक प्रश्नावली भेजी और उन्हें पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार, लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया :
 1. डोंगगुआं सीएसजी सोलर ग्लास कं. लि.
 2. झेजियांग जियाफू ग्लास कं. लि. (शंघाई फ्लेट ग्लास, एफएसजी ग्रुप)
 3. हेनन अनकाई हाई टेक कं. लि.
 4. शांक्सी टॉपरे सोलर बीनान, चीन
 5. जिंयी सोलर (हांगकांग) लिमिटेड
- vi. उपरोक्त मामले में निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने अपने प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं :
 1. हेनन अनकाई हाई टेक कं. लि.
 2. जिंयी पीवी प्रोडक्ट्स (अनहुई) होल्डिंग लि.
 3. जिंयी सोलर (हांगकांग) लिमिटेड
 4. डोंगगुआं सीएसजी सोलर ग्लास कं. लि.
 5. वुजियांग सीएसजी ग्लास कं. लि.
- vii. मैसर्स शेन्जेन टोपरे सोलर कं. लि., चीन ने ही उपरोक्त मामले में क्षति अनुरोध दाखिल किया है।
- viii. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित आयातकों/ उपभोक्ताओं/ प्रयोक्ता एसोसिएशनों को भी (जिनके नाम व पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) जांच प्रारंभ करने संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें यह परामर्श दिया कि वे नियम 6 (4) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय-सीमा के अंदर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं।

1. वारी एनर्जीस लिमिटेड
 2. अलपेक्स एक्सपोर्ट्स प्रा. लि.
 3. विक्रम सोलर प्रा. लि.
 4. सुराना सोलर लिमिटेड
 5. टोपसन एनर्जी लिमिटेड
 6. टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड
 7. एम्बी फोटोवोल्टेक पावर प्रा. लि.
 8. नवीतास ग्रीन सॉल्यूशन्स प्रा. लि.
 9. सोवा पावर लिमिटेड (गोडाउन)
- ix. उपरोक्त मामले में निम्नलिखित आयातकों/उपभोक्ताओं ने अपने अनुरोध/प्रतिवेदन दाखिल किए हैं :
1. एम्बी सोलर
 2. विक्रम सोलर
 3. ऑल इंडिया सोलर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन
- x. प्राधिकारी ने नियम 6 (7) के तहत, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण करने के लिए रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय भाग उपलब्ध कराया।
- xi. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और गैर क्षति कीमत का आकलन करने के लिए अनुबंध-III में यथा विनिर्दिष्ट दिशा-निर्देशों के आधार पर, जहां तक संभव हुआ, घरेलू उत्पादक द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच की।
- xii. वर्तमान जांच के प्रयोजन से जांच की अवधि दिनांक 1 जनवरी, 2015 से 31 दिसंबर, 2015 (12 माह) की है। तथापि, क्षति जांच की अवधि में विगत तीन वर्षों अर्थात् अप्रैल, 2012 से मार्च, 2013, अप्रैल, 2013 से मार्च, 2014 और अप्रैल, 2014 से मार्च, 2015 तक तथा जांच की अवधि के आंकड़े शामिल होंगे।
- xiii. आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त सूचना मांगी गई। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों की जांच के प्रयोजन के लिए यथा आवश्यक पुष्टि की गई।
- xiv. सामान्यतः सहमत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और उनको बनाने तथा बिक्री करने की लागत के आधार पर गैर-क्षति कीमत निर्धारित की गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाना घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xv. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से सौदा-वार आंकड़े मांगे गए थे और भारत में संबद्ध उत्पाद के आयातों की मात्रा और मूल्य के निर्धारण के लिए इन्हें स्वीकार किया गया है।
- xvi. प्राधिकारी ने नियम 6 (6) के अनुसार, संगत सूचना मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर प्रदान करने के लिए दिनांक 15 मई, 2017 को एक मौखिक सुनवाई की गई थी, जिसमें घरेलू उद्योग मैसर्स हेनन अनकाई हाई टेक कं. लि., मैसर्स डोंगगुआं सीएसजी सोलर ग्लास कं. लि., मैसर्स वुजियांग सीएसजी सोलर ग्लास कं. लि., मैसर्स शेनजेन टोपरे सोलर कं. लि., चीन से निर्यातक तथा मैसर्स विक्रम सोलर और ऑल इंडिया सोलर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, भारत में उत्पाद के आयातक/ उपभोक्ता एसोसिएशन के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया था। जिन हितबद्ध पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई के समय मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए थे, उन्हें अपने मौखिक रूप से व्यक्त विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। हितबद्ध पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों के लिए प्रत्युत्तर अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए अवसर प्रदान किया गया। इनमें किए गए अनुरोधों पर पर्याप्त रूप से विचार किया गया और उन पर कार्रवाई की गई।

- xvii. निर्यातक, उत्पादक और अन्य हितबद्ध पक्षकार, जिन्होंने प्राधिकारी को न तो उत्तर दिया है और न ही इस जांच से संबंधित कोई जानकारी प्रदान की है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार के रूप में माना गया है।
- xviii. दिनांक 09.06.2017 को एक प्रकटीकरण विवरण जारी किया गया था, जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचार के लिए आवश्यक तथ्य शामिल थे और उसमें प्रकटीकरण विवरण पर टिप्पणियां, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए दिनांक 16.06.2017 तक का समय दिया गया था। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटीकरण के उपरांत की टिप्पणियों पर समुचित रूप से विचार किया है।
- xix. इस अंतिम जांच परिणाम में *** हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना को दर्शाता है और प्राधिकारी द्वारा नियमों के तहत उस पर विचार किया गया है।
- xx. प्राधिकारी द्वारा संबद्ध जांच के लिए अपनाई गई विनियम दर 1 अमेरिकी डॉलर = 65.11 रुपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. वर्तमान आवेदन में विचाराधीन उत्पाद " टैक्सचर्ड टफेन्ड स जिसमें ग्ला (डैटैम्प) 90 न्यूनतम.4 प्रतिशत ट्रांसमिशन हो मोटाई 5. से. मिमी 2 अधिक न हो) 0.2 मिमी. से अधिक न हो मिमी. 1500 और जहां कम से कम एक किनारा (की सहनशीलता सहित, चाहे कोटेड अथवा अनकोटेड " है।
5. संबद्ध वस्तुएं सोलर फोटोवोल्टाइक पैनल और सोलर थर्मल अनुप्रयोगों में एक घटक के रूप में इस्तेमाल की जाती हैं। वर्तमान प्रवृत्ति के अनुसार 3.2 मि.मी. और 4 मि.मी. मोटाई वाले ग्लास का सामान्यतः सोलर फोटोवोल्टाइक पैनलों और सोलर थर्मल अनुप्रयोगों में इस्तेमाल किया जाता है। संबद्ध वस्तुओं में अपेक्षित न्यूनतम स्तर का पारेषण लौह अंश की मात्रा को कम रखकर, जो 200 पीपीएम से भी कम हो, प्राप्त किया जा सकता है। पारेषण स्तर परावर्तन रोधी लेपन (एंटी रिफ्लेक्टिव कोटिंग) के साथ लेपित किए जाने पर करीब 2% से 3% तक बढ़ जाता है। लेपित (कोटेड) अथवा (अनकोटेड) अलेपित ग्लास को एक टैम्परिंग फर्नास में टैम्पर/टफन किया जाता है क्योंकि सोलर अनुप्रयोगों के लिए यह आवश्यक होता है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

6. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :
- विचाराधीन उत्पाद पर, चाहे वह लेपित (कोटेड) रूप में हो या अलेपित (अनकोटेड) रूप में, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने अपेक्षित हैं।
 - पूर्व में भी डीजीएडी ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे को आवेदन के आधार पर सीमित किया है और वही दृष्टिकोण इस मामले में भी लिया जा सकता है।
 - उत्पाद को कई नामों से भी जाना जाता है, जैसे सोलर ग्लास, लो आयरन सोलर ग्लास, हाई ट्रांसमिशन फोटोवोल्टाइक ग्लास, टैम्पर्ड लो आयरन पैटर्न सोलर ग्लास इत्यादि। संबद्ध वस्तुओं को अध्याय शीर्ष 70071900 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह विचाराधीन जांच वाले विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।
 - घरेलू उद्योग के अनुसार, उनके द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं के बीच कोई अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं और संबद्ध देश से आयातित की गई संबद्ध वस्तुएं भौतिक और रासायनिक गुणों, निर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण और बाजार तथा संबद्ध वस्तुओं का टैरिफ वर्गीकरण, जैसे गुणों के अनुसार तुलनीय हैं।

- v. चीन से निर्यातकों के यह दावे पूरी तरह से आधारहीन और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं कि चूंकि घरेलू उद्योग 3.2 मि.मी. की मोटाई से कम मोटाई के सोलर ग्लास का उत्पादन करने में "सक्षम" नहीं है, इसलिए 3.2 मि.मी. की मोटाई के तहत सोलर ग्लास को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर किया जाए। घरेलू उद्योग के पास उत्पादन की क्षमता है और उसने जांच की अवधि के दौरान भी 3.2 मि.मी. से कम मोटाई वाले ग्लास का उत्पादन किया है। इस संबंध में साक्ष्य रिकार्ड में हैं। यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित 3.2 मि.मी. से कम की मोटाई वाले ग्लास की मात्रा सीमित है, जो कि इस तथ्य के कारण से है कि जांच की अवधि के दौरान ऐसी मोटाई वाले ग्लास की मांग कम थी। आयात संबंधी आंकड़ों का एक विश्लेषण भी यह पुष्टि करता है कि 3.2 मि.मी. से कम मोटाई वाले सोलर ग्लास की मांग जांच की अवधि के दौरान लगभग नगण्य थी। यह कहने की आवश्यकता है कि इस मोटाई वाले ग्लास का उत्पादन प्राप्त आदेशों पर आधारित होता है। इस मामले में, विधिक जांच और प्राधिकारी की निरंतर प्रक्रिया यह जांच करने के लिए होती है कि क्या घरेलू उद्योग के पास किसी वस्तु का उत्पादन करने की क्षमता मौजूद है न कि किसी वास्तविक अवधि के दौरान वास्तविक उत्पादन की जांच करना। हितबद्ध पक्षकारों ने भी 3.2 मि.मी. से कम की मोटाई के ग्लास के उत्पादन के लिए घरेलू उद्योग की "क्षमता" के लिए अपनी आपत्ति को सीमित रखा है।
- vi. "चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमलेस ट्यूब, पाइप, होलो आयरन प्रोफाइल, अलॉय अथवा नॉन-अलॉय स्टील (कास्ट आयरन और स्टेनलेस स्टील के अलावा), चाहे हॉट फिनिशड अथवा कोल्ड ड्रान अथवा कोल्ड रोलड 355.6 मि.मी. से अनधिक अथवा 14" ओडी के बाहरी माप वाले" उत्पाद के मामले में प्राधिकारी के हाल ही के जांच परिणाम में, प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे को स्पष्ट करते हुए यह कहा है :

12..... iv. "कुछेक हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध के संबंध में कि विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्राधिकार से एक व्यापक किस्म के पाइपों और ट्यूब को इस आधार पर बाहर करने के लिए कि या तो घरेलू उद्योग उसका निर्माण नहीं करता या उसके पास उसके निर्माण की क्षमता मौजूद नहीं है अथवा उसके पास गुणवत्ता वाले उत्पाद का निर्माण करने की क्षमता नहीं है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास सभी किस्म के विचाराधीन उत्पाद का निर्माण करने के लिए अपेक्षित संयंत्र और मशीनरी है, अतः विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्राधिकार से विशेष रूप से बाहर किए गए उत्पादों को छोड़कर किसी भी किस्म के विचाराधीन उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्राधिकार से बाहर करना, उपयुक्त नहीं होगा।

vii. घरेलू उद्योग ने समर्थन में यह साक्ष्य प्रदान किए हैं कि उनके पास एसटीएम ए-335 ग्रेड और पी-91 जैसे ग्रेड का निर्माण करने और आपूर्ति करने के लिए प्रौद्योगिकी है, जो कि ग्रेड एसएई 8720, सी-95, बॉयलर पाइप - टी91/ पी91/, टी5/ पी5, टी9/ पी9 तथा 40 मि.मी. से अधिक की मोटाई वाले बॉयलर पाइप, प्रोसेस पाइप - ग्रेड पी5 और पी9, मदर पाइप (होलो) कोल्ड ड्राइंग के लिए, जैसे ग्रेड से अधिक के ग्रेड के हैं, इन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर करने की मांग की जा रही है। इस प्रकार से प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर करना उपयुक्त नहीं समझा।"

- vii. निर्यातक का यह दावा कि घरेलू उद्योग ने 3.2 मि.मी. से कम की मोटाई वाले सोलर ग्लास का उत्पादन नहीं किया है अथवा इनके उत्पादन में सक्षम नहीं है और इसीलिए 3.2 मि.मी. से कम के सोलर ग्लास को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर किया जाना चाहिए, का कोई भी कानूनी अथवा तार्किक आधार नहीं है और इसे तत्काल अस्वीकार किया जाए।

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

7. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :

- यह कि "समान" घरेलू वस्तु विचाराधीन उत्पाद से कई मानकों पर भिन्न है, जिनमें अधिक फील्ड आउटपुट, पीआईडी रजिस्टेंस, न्यूनतम लौह अंश, टोक्सिन फ्री ग्लास, परावर्तनरोधी लेपन (कोटिंग) ग्लास क्षमता, मान्यता जैसे गुणों वाले घरेलू उद्योग उत्पाद शामिल हैं, लेकिन केवल इन्हीं तक सीमित नहीं है।
- आवेदक के पास सीमित क्षमता है और केवल 3.2 मि.मी., 4.0 मि.मी. तथा 5.0 मि.मी. मोटाई वाले सोलर ग्लास का ही उत्पादन करता है। इसके अलावा, चूंकि आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक होने का दावा किया है,

इसलिए यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग 3.2 मि.मी. मोटाई से कम मोटाई वाले सोलर ग्लास का उत्पादन करने में सक्षम नहीं है। अतः 3.2 मि.मी. से कम मोटाई वाले सोलर ग्लास को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर किया जाए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

8. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद जांच आरंभ करने संबंधी अधिसूचना के अनुसार इस प्रकार है :

"टैक्सचर्ड टफेन्ड (टैम्पर्ड) ग्लास जिसमें न्यूनतम 90.5 प्रतिशत ट्रांसमिशन हो मोटाई 4.2 मिमी. से अधिक न हो (0.2 मिमी. की सहनशीलता सहित) और जहां कम से कम एक किनारा 1500 मिमी. से अधिक हो, चाहे कोटेड अथवा अनकोटेड"

9. संबद्ध वस्तुएं सोलर फोटोवोल्टाइक पैनल और सोलर थर्मल अनुप्रयोगों में एक घटक के रूप में प्रयोग में लाई जाती है। 3.2 मि.मी. और 4 मि.मी. की मोटाई वाले ग्लास वर्तमान प्रकृति के अनुसार सामान्यतः सोलर फोटोवोल्टाइक पैनलों और सोलर थर्मल अनुप्रयोगों में इस्तेमाल में लाए जाते हैं। संबद्ध वस्तुओं में अपेक्षित न्यूनतम स्तर का पारेषण विशेषकर 200 पीपीएम से कम का कम लौह अंश रखकर प्राप्त किया जा सकता है। जब परावर्तन रोधी लेपन (कोटिंग) तरल के साथ लेपन किया जाता है, तो करीब 2% से 3% तक पारेषण स्तर में वृद्धि हो जाती है। ग्लास चाहे लेपित (कोटेड) हो या अलेपित (अनकोटेड) एक टैम्परिंग फर्नास में टैम्पर/टफन किया जाता है, क्योंकि सोलर अनुप्रयोगों के लिए यह आवश्यक है।

10. बाजार में उत्पाद को विभिन्न नामों से भी जाना जाता है, जैसे सोलर ग्लास, लो आयरन सोलर ग्लास, हाई ट्रांसमिशन फोटोवोल्टाइक ग्लास, टैम्पर्ड लो आयरन पैटर्न सोलर ग्लास इत्यादि। संबद्ध वस्तुओं को 70071900 शीर्ष के तहत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, याचिकाकर्ता द्वारा यह दावा किया गया है कि संबद्ध वस्तुएं विभिन्न अन्य टैरिफ शीर्ष जैसे 70031990, 70051010, 70051090, 70052190, 70052990, 70053090, 70071900 इत्यादि जैसे विभिन्न अन्य टैरिफ शीर्ष के तहत भी आयात की जा रही हैं। यह स्पष्ट किया जाता है कि एचएस कोड केवल संकेतात्मक है और उत्पाद का विवरण सभी परिस्थितियों में प्रचलित रहेगा।

11. हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क कि आवेदक के पास सीमित क्षमता है और वह केवल 3.2 मि.मी., 4.0 मि.मी. तथा 5.0 मि.मी. की मोटाई वाले सोलर ग्लास का ही निर्माण करते हैं। इसलिए 3.2 मि.मी. से कम की मोटाई वाले सोलर ग्लास को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर किया जाए, इसकी जांच की गई है और यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग 3.2 मि.मी. से कम के सोलर ग्लास का उत्पाद करने में सक्षम है और जांच की अवधि में इनका उत्पादन करके वाणिज्यिक रूप से आपूर्ति भी की गई है। अतः हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा गलत है और अस्वीकार किया जाता है।

12. जहां तक समान वस्तु का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में यह प्रावधान है :

"समान वस्तु" से तात्पर्य एक ऐसी वस्तु से है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान न हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तुएं जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हों;

13. रिकार्ड में उपलब्ध जानकारी पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देश से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद भौतिक गुणों, उत्पाद प्रौद्योगिकी और निर्माण प्रक्रिया, कार्यों तथा उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण एवं विपणन के संदर्भ में आयातित संबद्ध उत्पाद से तुलनीय है। ये दोनों ही तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से एक-दूसरे के विकल्प हैं।

14. इस प्रकार, प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पाद और संबद्ध देश से भारत में आयातित संबद्ध वस्तुएं पाटनरोधी नियमों के तात्पर्य से समान वस्तुएं हैं।

ग. घरेलू उद्योग का दायरा और आधार**घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध**

15. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :

- i. याचिका मैसर्स गुजरात बोरोसिल लि. (जिसे याचिकाकर्ता/ आवेदक के रूप में कहा गया है) द्वारा चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तुओं का एक मात्र उत्पादक है, इसलिए याचिकाकर्ता का ही नियमों के तहत संबद्ध वस्तुओं के भारतीय उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा है। याचिकाकर्ता के पास पर्याप्त आधार है और नियमों के तात्पर्य से घरेलू उद्योग है।
- ii. याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है। याचिकाकर्ता संबद्ध देश में विचाराधीन उत्पाद के किसी निर्यातक अथवा आयातक से संबद्ध नहीं है (प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से)। अतः याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) और 5 (3) के तहत पात्र घरेलू उद्योग है।

उत्पादकों/निर्यातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

16. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग के आधार पर कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

17. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) की परिभाषा इस प्रकार है :

“(ख) ‘‘घरेलू उद्योग’’ का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में ‘‘घरेलू उद्योग’’ शब्द का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

18. वर्तमान मामले में आवेदन मैसर्स गुजरात बोरोसिल लि. द्वारा दाखिल किया गया है, जो विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र घरेलू उत्पादक है और जिसने चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के मामले में जांच के लिए विस्तृत सूचना प्रदान की है। प्राधिकारी ने जांच प्रारंभ करते समय यह निर्धारित किया है कि याचिकाकर्ता चूंकि संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है, नियमों के तहत आधार की अपेक्षा को पूरा करता है और याचिकाकर्ता नियमों के तात्पर्य से घरेलू उद्योग है।
19. केवल याचिकाकर्ता का उत्पादन ही भारतीय उत्पादन का 100% है। तदनुसार, प्राधिकारी ने यह पाया है कि याचिकाकर्ता नियम 5 (3) के तहत आधार की अपेक्षा को पूरा करता है और नियम 2 (ख) के तात्पर्य से घरेलू उद्योग है।

घ. गोपनीयता से संबंधित मामले**घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध**

20. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :

- i. याचिकाकर्ता ने केवल ऐसी सूचना के गोपनीय होने का दावा किया है जिसकी गोपनीयता नियमों के तहत अनुमत है और प्राधिकारी की सतत प्रथा के अनुसार है।
- ii. याचिकाकर्ता ने आवेदन का पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रदान किया है। कोई भी हितबद्ध पक्षकार सूचना के किसी विशेष अंश का उल्लेख नहीं कर पाया जिसके लिए गोपनीयता का दावा किया गया है और उसकी गोपनीयता नियमों के तहत न्यायोचित नहीं है।

- iii. भारत को आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में सकल बिक्री की मात्रा, उत्पादन, बिक्री, भारत को निर्यात की औसतन कीमत जैसी सूचना सूचीबद्ध भाग में प्रदान नहीं की गई है क्योंकि सूचना कारोबारी क्षेत्राधिकार से संबंधित है।
- iv. किसी भी निर्यातक ने ऐसा अगोपनीय पाठ प्रदान नहीं किया है जो कि उनके गोपनीय पाठ की वास्तविक प्रतिकृति है। उन्होंने सभी मात्रा संबंधी सूचना गोपनीय रखी है। उन्होंने गोपनीयता के दावे की कोई भी सूचना प्रदान नहीं की है। इसके अलावा, उत्तर भी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी विशिष्ट दिशा-निर्देशों का पूर्ण उल्लंघन है, जो कि निर्यातक प्रभावली उत्तर के अगोपनीय पाठ को भरने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के संबंध में है। अतः हम माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी से हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध को न मानने और साथ ही निर्यातकों के उत्तर को अस्वीकार करने तथा व्यक्तिगत व्यवहार करने से मना करने का अनुरोध करेंगे।

उत्पादकों/ निर्यातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

- 21. गोपनीयता के संबंध में वर्तमान जांच के दौरान उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोध तथा प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :
 - i. याचिका में अत्यधिक गोपनीयता दी गई है। याचिका में मात्रा संबंधी सूचना के संबंध में भी कोई सूचना प्रदान नहीं की गई है।
 - ii. घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है और इस प्रकार की अत्यधिक गोपनीयता की अनुमति दी गई है कि उन्होंने अपनी वार्षिक रिपोर्ट भी सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध नहीं कराई।
 - iii. घरेलू उद्योग ने अपनी लागत का पर्याप्त ब्यौरा भी प्रदान नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 22. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सभी हितबद्ध पक्षकारों को सार्वजनिक फाइल के माध्यम से सूचना का अगोपनीय अंश उपलब्ध कराया है, जिसमें नियम 6 (7) के तहत निरीक्षण के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ शामिल है।
- 23. पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में सूचना की गोपनीयता के संबंध में यह प्रावधान है :
"गोपनीय सूचना"

(1) नियम 6 के उप नियम (2), (3) एवं (7), नियम 12 के उप नियम (2), नियम 15 के उप नियम (4) तथा नियम 17 के उप नियम (4) में किसी भी बात के होते हुए भी नियम 5 के उप नियम (1) के प्राप्त आवेदनों की प्रतियां या जांच की प्रक्रिया में किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रदत्त कोई अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसकी गोपनीयता के संबंध में संतुष्ट होने पर ऐसी सूचना को गोपनीय माना जाएगा और ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना ऐसी सूचना किसी अन्य पक्षकार के समक्ष प्रकट नहीं की जाएगी।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि गोपनीयता के लिए अनुरोध न्यायसंगत नहीं अथवा सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने अथवा इसको सामान्य तौर पर अथवा संक्षिप्त रूप में उसे प्रकट करने के लिए अनिच्छुक होतो ऐसी सूचना की उपेक्षा की जा सकती है।

24. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटनरोधी संबंधी विश्व व्यापार संगठन का करार इस प्रकार है :

"अनुच्छेद 6.5 कोई भी सूचना, जो गोपनीय स्वरूप की है (उदाहरण के लिए जिसका प्रकटन किसी प्रतिस्पर्द्धा के लिए प्रतिस्पर्द्धा की दृष्टि से पर्याप्त: लाभदायक है अथवा जिसके प्रकटन से सूचना प्रदान करने वाले व्यक्ति पर अथवा उस व्यक्ति पर अत्यंत प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा जिस व्यक्ति से उसने सूचना प्राप्त की है), अथवा जिसे जांच में शामिल पक्षकारों ने गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराया है, को प्राधिकारी द्वारा गोपनीय माना जाएगा। ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार की विशिष्ट सहमति के बिना ऐसी सूचना प्रकट नहीं की जाएगी।

अनुच्छेद 6.5.1 प्राधिकारी गोपनीय सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने की अपेक्षा करेंगे। ऐसा सारांश पर्याप्त: विस्तृत विवरण होगा ताकि गोपनीय तौर पर प्रस्तुत की गई सूचना की विषय वस्तु भली भांति समझ में आ सके। अपवादात्मक परिस्थितियों में ऐसे पक्षकार यह सूचित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सार तैयार करना संभव नहीं है। ऐसी अपवादात्मक परिस्थितियों में कारणों का एक विवरण अवश्य प्रस्तुत किया जाना चाहिए कि सारांश तैयार करना क्यों संभव नहीं है।

अनुच्छेद 6.5.2 यदि प्राधिकारी यह देखते हैं कि गोपनीयता हेतु अनुरोध आवश्यक नहीं है और यदि सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने अथवा सामान्य अथवा सारंश रूप में इसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का इच्छुक नहीं है तो प्राधिकारी ऐसी सूचना को नजर अंदाज कर सकते हैं, जब तक कि समुचित स्रोतों से उनकी संतुष्टि के अनुसार यह प्रदर्शित न दिया जाए कि दी गई सूचना सही है।"

अनुच्छेद 6.5.2 की पाद टिप्पणी (पाटनरोधी संबंधी विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के करार की पाद टिप्पणी 18) में यह प्रावधान है: सदस्य सहमत है कि गोपनीयता हेतु किए गए अनुरोध को मनमाने तरीके से अस्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

25. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर गोपनीयता के दावों को आवश्यकता के अनुसार स्वीकार किया है, और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं संभव है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार को गोपनीय आधार पर दाखिल की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रदान करने के लिए निदेश दिया गया था। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सार्वजनिक फाइल के रूप में प्रदान किए गए साक्ष्यों का अगोपनीय अंश उपलब्ध कराया है।

ड. विभिन्न मामले

उत्पादकों/ निर्यातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

26. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :
- घरेलू उद्योग को क्षति सोलर मॉड्यूल पर शुल्कों को न लगाए जाने के कारण है और वर्तमान मामले में शुल्क लगने से पहले से समस्या का सामना कर रहे सोलर उद्योग की स्थिति और भी खराब होगी।
 - प्राधिकारी डब्ल्यूटीओ के प्रावधानों का अनुसरण करने में विफल रहा है क्योंकि इसने जांच शुरू करने से पूर्व चीन के निर्यातकों को अधिसूचित नहीं किया था।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

27. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :

- प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क कि सौर उद्योग समस्या का सामना कर रहा है, व्यर्थ में है। विक्रम सोलर और अन्य आयातकों के सार्वजनिक ब्रॉशर में यह दावा किया गया है कि उनका राजस्व पर्याप्त रूप से नहीं बढ़ा है जो अपने आप में ही उनके तर्कों के विरुद्ध है।

- ii. विचाराधीन उत्पाद में मॉड्यूल निर्माण की कुल लागत की बहुत ही कम प्रतिशतता है। अतः विचाराधीन उत्पाद पर किसी भी पाटनरोधी शुल्क लगाने का सौर मॉड्यूल की समग्र लागत पर नगण्य प्रभाव पड़ेगा।
- iii. केवल सोलर टैम्पर्ड ग्लास ही सोलर फोटोवोल्टाइक मॉड्यूल की कुल लागत का करीब 5% से 6% होता है। यहां तक कि 20 से 25% पाटनरोधी शुल्क लगाने से ही मॉड्यूल की लागत में 1% से 2% तक की वृद्धि होगी। मॉड्यूल की कीमतें विगत 2-3 वर्षों में 25% से 30% तक बढ़ेगी और इस स्थिति में यह प्रभाव नगण्य है और निश्चय ही घरेलू स्रोतों से खरीद की तुलना में मॉड्यूलों के आयात के लिए भारी मात्रा में वरीयता का कारण नहीं होगा। इसी प्रकार, यूरोपीय संघ द्वारा की गई जांचों में इसी प्रकार की समस्या उठाई गई है और प्राधिकारियों द्वारा इसे अस्वीकार किया गया है।
- iv. चीन के निर्यातकों का निर्यातों के लिए आक्रामक दृष्टिकोण भी इस तथ्य से स्पष्ट है कि यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका ने पहले ही सोलर ग्लास के निर्यातों पर चीन के उत्पादकों पर बहुत ही भारी शुल्क लगाए हैं।
- v. यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों ने स्थिति और भी खराब कर दी है और चीन के उत्पादकों ने भारतीय बाजार में पाटन में और तेजी लाई है। यदि शुल्क नहीं लगाए गए तो घरेलू उद्योग को काफी सामना करना पड़ेगा।

प्राधिकारी द्वारा जांच

28. हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा कि प्राधिकारी जांच की शुरुआत से पूर्व चीन के निर्यातकों को अधिसूचित न करके डब्ल्यूटीओ की बाध्यता का पालन करने में विफल रहे हैं, व्यर्थ और निराधार है। न तो डब्ल्यूटीओ करार के तहत और न ही भारतीय कानूनों के तहत कोई ऐसी बाध्यता है कि निर्यातकों को जांच शुरू करने से पूर्व सूचित करना जरूरी है। प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमों के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व चीन के दूतावास को अधिसूचित किया था। प्राधिकारी ने जांच शुरू करने की अधिसूचना जारी करने के बाद निर्यातक प्रश्नावली भी भेजी थी ताकि चीन जन. गण. में ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों से संगत सूचना प्राप्त हो सके और उन्हें पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार लिखित में उनके विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया था। अतः यह दावा अस्वीकार किया जाता है।
29. जहां तक सोलर उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव वाले विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के मामले का संबंध है, प्राधिकारी ने यह पाया है कि सोलर मॉड्यूल की कुल लागत में विचाराधीन उत्पाद का अंश न्यूनतम है। यह तथ्य भी यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा जारी अंतिम जांच परिणामों में नोट किया गया है। अतः सोलर उद्योग पर शुल्कों का कोई बड़ा प्रभाव अप्रत्याशित और गलत है। किसी भी तरह से किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने अपने दावे का आधार अथवा कोई ब्यौरा प्रदान नहीं किया है जिसे प्राधिकारी द्वारा जांचा जा सके।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य

30. धारा 9 (1) (ग) के तहत, किसी वस्तु के सामान्य मूल्य से तात्पर्य यह है :

(i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा

(ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :

- (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
- (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी अन्य देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल यानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य

31. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के संबंध में प्रावधान

1. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I में यह प्रावधान है

"7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकल्पित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयनुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।"

8. (1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ है कि कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों का लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तु की बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।

(2) यह कहना पूर्वानुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या :

(क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य बड़े खाते वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा संपत्ति कानून के अधीन होती है जोकि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है;

(घ) विनिमय दर के परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं।

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसे अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।"

32. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी थी, जिसमें उन्हें यह परामर्श दिया गया था कि वे निर्धारित रूप में और निर्धारित ढंग से सूचना प्रदान करें। संबद्ध देश से निम्नलिखित उत्पादकों एवं निर्यातकों ने निर्धारित प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं :

- i. हेनान अनकाई हाई टेक कं. लि.
- ii. जिंयी पीवी प्रोडक्ट्स होल्डिंग लि. (अनहुई)
- iii. जिंयी सोलर (हांगकांग) लिमिटेड
- iv. डोंगगुआं सीएसजी सोलर ग्लास कं. लि.
- v. वुजियांग सीएसजी ग्लास कं. लि.

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

33. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :

- i. घरेलू उद्योग ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में पूरी सूचना दाखिल की थी, जो कि एक जांच के आरंभ करने के लिए आवश्यक थी। नियम 5 के अनुसार घरेलू उद्योग को ऐसी सूचना प्रदान करनी होती है जो कि जांच को शुरू करने को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त हो। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के उनके दावे के समर्थन में आवश्यक साक्ष्य भी प्रदान किए गए थे।
 - ii. चीन को पूर्व मामलों जांच प्राधिकारी द्वारा लिए गए निर्णय और अन्य देशों में जांच प्राधिकारियों द्वारा उल्लिखित स्थिति को देखते हुए एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना जाए। चीन के उत्पादकों की लागत और कीमत पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता।
 - iii. चीन जन. गण. को निम्नलिखित कारणों से एक गैर-अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए :
- (क) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी चीन के निर्यातक यह प्रमाणित न करें कि प्रमुख निविष्टियों (आउटपुट) की कीमतें पूरी तरह से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं।
- (ख) बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार ऐसी स्थिति में अस्वीकार किया जाए जहां पर कि चीन के निर्यातक यह प्रमाणित करने में असमर्थ हैं कि उनके खाते अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों (आईएस) के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों के अनुसरण पर जोर देते हुए अपेक्षा वार्षिक रिपोर्ट में उल्लिखित राजस्व तथा व्यय, परिसंपत्तियों तथा देनदारियों की सटीकता और पर्याप्तता सुनिश्चित करने की है।

- (ग) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक नियमों में निर्धारित प्रत्येक और हरेक मानदंड के संबंध में जांच में सफल न हो जाएं। इसके अलावा, ऐसी क्षति को प्रमाणित करने के लिए एक एकल मापदंड की सामग्री को क्षति की मौजूदगी की जांच करते समय पर्याप्त माना गया है। दूसरे शब्दों में जहां एक मापदंड क्षति की मौजूदगी को प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त माना गया है, वहां एक एकल मापदंड में सफल होना बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे के दावों को निरस्त करने के लिए पर्याप्त है।
- (घ) प्राधिकारी के लिए यह प्रमाणित करना जरूरी नहीं है कि प्रतिवादी देश बाजार अर्थव्यवस्था वातावरण में संचालित हो रहे हैं और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए पात्र हैं बल्कि यह प्रतिवादी चीन के निर्यातकों के लिए अपेक्षित है कि वे यह प्रमाणित करें कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में संचालित हो रहे हैं।
- (ङ) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी कंपनी और उसके समूह एक श्रृंखला न बनाएं। यदि समूह की एक अथवा अधिक कंपनी ने उत्तर दाखिल नहीं किया है तो बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा अस्वीकार किया जाना चाहिए।
- (च) यह अनुरोध किया जाता है कि चीन के लिए ऐसी स्थिति में सामान्य मूल्य केवल पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार और उपरोक्त तथ्यों तथा परिसंपत्तियों को देखते हुए नियम 8 (2) के परंतुक के बिना निर्धारित किया जा सकता है।
- (छ) अतः चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण (क) तीसरे देश से भारत को आयात कीमत, (ख) भारत में बिक्री कीमत, तथा (ग) भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर और बिक्री, सामान्य व प्रशासनिक व्यय तथा लाभ को विधिवत समायोजित करके किया जा सकता है। यह भी अनुरोध है कि चूंकि सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए ये विकल्प मौजूद हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया "किसी अन्य आधार" पर विचार न करें क्योंकि यह तभी लागू हो सकता है जब कानून के तहत सूचीबद्ध अन्य आधार लागू न किए जा सकें।
- (ज) पांच प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों में से केवल दो कंपनियां नामतः डोंगगुआं सीएसजी सोलर ग्लास कं. लि. और वुजियांग सीएसजी ग्लास कं. लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने का दावा किया है। तथापि, दावे के लिए प्रदान किए गए व्यौरे अधूरे हैं। उन्होंने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में प्रयुक्त प्रमुख कच्ची सामग्री की आपूर्ति करने वाली संबद्ध कंपनियों के बारे में सूचना प्रदान नहीं की है। उनकी वेबसाइट स्पष्ट रूप से यह दर्शाती है कि कंपनी को लाभ हुआ है क्योंकि वे केवल समूह के भीतर ही कच्चे माल तथा अन्य माल की खरीद करती हैं। वुजियांग और डोंगगुआं ने भी केन्डा इंटरप्राइजेज लिमिटेड ("केन्डा") के संबंध में कोई सूचना प्रदान नहीं की थी, जो कि एक ऐसी संस्था है जिसका कंपनी में 25% हिस्सा है और वह अपने निदेशक मंडल के माध्यम से कंपनी के निर्णय को प्रभावित कर सकती है। इसे देखते हुए हम प्राधिकारी से यह निवेदन करते हैं कि कृपया कंपनी के बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के दावे को निरस्त किया जाए।
- (झ) चीन से प्रतिवादी उत्पादक डोंगगुआं सीएसजी, वुजियांग सीएसजी, जिंयी पीवी प्रोडक्ट्स (अनहुई) तथा हेनन अनकाई ने अपनी पूरी मूल्य श्रृंखला प्रदान नहीं की है क्योंकि चीन में उनकी संगत संस्थाओं ने जांच में भाग नहीं लिया है।
- (ञ) चीन से प्रतिवादी उत्पादकों ने अपनी सुविधा अनुसार चीन सरकार से प्राप्त सब्सिडी के संबंध में कोई सूचना प्रदान नहीं की। चीन के उत्पादकों की बैलेंस शीट और यूरोपीय संघ तथा टर्की द्वारा की गई जांच स्पष्ट रूप से यह दर्शाती है कि चीन के उत्पादकों ने चीन सरकार द्वारा प्रदान की गई सब्सिडी का लाभ उठाया है। यह अनुरोध किया जाता है कि चीन के उत्पादकों द्वारा ऐसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाना प्राधिकारी को धोखे में रखना है और इससे उनके द्वारा दाखिल सभी सूचना संदिग्ध लगती हैं। अतः पूरी और सही जानकारी न होने पर इसे निरस्त किया जाना चाहिए।

प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

34. चीन जन. गण. के लिए आवेदन में गणना किया गया सामान्य मूल्य पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 (7) के तहत प्रदान की गई अपेक्षाओं का उल्लंघन है। जांच आरंभ करने संबंधी अधिसूचना के पैरा 10 तथा आवेदन में यह विनिर्दिष्ट है कि चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य उत्पादन की लागत को विधिवत समायोजित करने के आधार पर है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

35. जांच प्रारंभ करने की अवस्था में, प्राधिकारी ने चीन जन. गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानकर अपनी अवधारणा पर आगे कार्रवाई शुरू की। जांच प्रारंभ करने पर प्राधिकारी ने चीन में उत्पादकों/निर्यातकों को जांच प्रारंभ करने संबंधी सूचना का उत्तर देने का परामर्श दिया और उनके बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा निर्धारित करने के संबंध में सूचना प्रदान करने का अनुरोध किया। प्राधिकारी ने सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (3) में विनिर्दिष्ट मानदंड के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं। प्राधिकारी ने चीन सरकार से भी यह अनुरोध किया है कि वह उनके देश में निर्यातकों/आयातकों को संगत सूचना प्रदान करने का परामर्श दें।
36. संबद्ध देश से निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने निर्धारित प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है :

- i. हेनन अनकाई हाई टेक कं. लि.
- ii. जिंयी पीवी प्रोडक्ट्स (अनहुई) होल्डिंग लि. तथा निर्यातक जिंयी सोलर (हांगकांग) लि.
- iii. डोंगगुआं सीएसजी सोलर ग्लास कं. लि.
- iv. वुजियांग सीएसजी ग्लास कं. लि.

37. संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली दाखिल की गई थी :

- i. डोंगगुआं सीएसजी सोलर ग्लास कं. लि.
- ii. वुजियांग सीएसजी ग्लास कं. लि.

38. यथा-संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के अनुसार एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन किया जा सकता है, यदि चीन जन गण से निर्यातक पैरा 8 में उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करे और इसके विपरीत प्रभावित करे। चीन से संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों/निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में यथा-उल्लिखित पर्याप्त साक्ष्य और अपेक्षित सूचना प्रस्तुत करनी अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सके कि क्या :

- i. चीन जन. गण. में संबंधित फर्मों का कीमतों, लागतों तथा निविष्टियों व कच्ची सामग्रियों, लागत प्रौद्योगिकी और श्रम, आउटपुट, बिक्री तथा निवेश के संबंध में निर्णय आपूर्ति और मांग को दर्शाने वाले बाजार के संकेतों के उत्तर में हैं और इस संबंध में पर्याप्त राज्य हस्तक्षेप के बिना है तथा क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें बाजार के मूल्यों को पर्याप्त रूप से दर्शाती हैं।
- ii. ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति विशेष रूप से परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों के मुआवजे के माध्यम से भुगतान के संबंध में पूर्व गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से महत्वपूर्ण रूप से तोड़-मरोड़कर की गई है।
- iii. ऐसी फर्मों दिवालियापन और संपत्ति कानून के अधीन होती है जो फर्मों के संचालन के लिए कानूनी निश्चितता और स्थायीवतता की गारंटी देते हैं तथा
- iv. विनियम दर परिवर्तन बाजार की दर पर किया गया है।

40. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 में यह प्रावधान है :

41. उपरोक्त को देखते हुए चीन जन. गण. से भारत को आयात किए गए संबद्ध उत्पादों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन की लागत के संबंध में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विचार करने और बिक्री, सामान्य व प्रशासनिक व्यय तथा तर्कसंगत लाभ मार्जिन को तर्कसंगत तरीके से शामिल करने के बाद "किसी अन्य आधार" पर किया है। सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना के अनुसार प्रमुख कच्ची सामग्री की खपत, घरेलू उद्योग के लिए अनुमत स्तर पर प्रमुख कच्ची सामग्री के लिए अंतर्राष्ट्रीय कीमत, परिवर्तन लागत, ब्याज, एसजीई इत्यादि पर विचार करके किया गया है। इसके अलावा, बिक्री की 5% दर पर तर्कसंगत लाभ को भी सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए शामिल किया गया है।

42. जांच की अवधि के दौरान, हेनन अनकाई हाई टेक कं. लि. ने प्रश्नावली उत्तर के परिशिष्ट-2 में उल्लिखित व्यौरों के अनुसार भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। निर्यातक ने देशी माल भाड़े, विदेश में माल भाड़े, समुद्री बीमा, ऋण लागत, बैंक प्रभार इत्यादि के आधार पर समायोजन का दावा किया है और इसे आवश्यक पुष्टि के बाद स्वीकार किया गया है। सीएनवी और निबल निर्यात मूल्य की गणना उचित तुलना के लिए लेपित (कोटेड) और अलेपित (अनकोटेड) के लिए अलग-अलग की गई है और उसके बाद संबद्ध वस्तुओं के लिए भारित औसत का निर्धारण इस प्रकार किया जाता है :

[illegible]

[illegible]

सभी अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

46. चीन से अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए, जिन्होंने इस जांच में भाग नहीं लिया है/सहयोग नहीं दिया है, प्राधिकारी ने पाटनरोदी नियमावली के नियम 6 (8) के तहत उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। संबद्ध वस्तुओं के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य, निवल निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण नीचे पाटन मार्जिन सारणी में किए गए उल्लेख के अनुसार किया जाना है।

पाटन मार्जिन

47. संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निर्मित सामान्य मूल्य और कारखाना बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत की तुलना करके संबद्ध वस्तुओं के कोटेड और अनकोटेड रूप के लिए अलग-अलग किया गया है और उसके बाद भारत औसत की गणना की गई है। नीचे दी गई सारणी में सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए भारत औसत मूल्य दर्शाया गया है :

क्रम सं.	उत्पादक	एनवी/सीएनवी	एनईपी	पाटन मार्जिन		
		अमेरिकी डॉलर/मी. टन	अमेरिकी डॉलर/मी. टन	अमेरिकी डॉलर/ मी. टन	%	रेंज
1.	हेनन अनकाई हाई टेक कं. लि.	***	***	***	***	25-35
2.	जियी सोलर (हांगकांग) लिमिटेड के माध्यम से जियी पावर प्रोडक्ट्स (अनहुई) होल्डिंग लि.	***	***	***	***	35-45
3.	डोंगगुआं सीएसजी सोलर ग्लास कं. लि.	***	***	***	***	20-30
4.	बुजियांग सीएसजी ग्लास कं. लि.	***	***	***	***	15-25
5.	कोई अन्य	***	***	***	***	35-45

48. यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन संबद्ध देश से सभी निर्यातकों के लिए आयातों के लिए न्यूनतम से अधिक है।

छ. क्षति आकलन और क्षति की जांच तथा कारणात्मक संबंध के लिए कार्य प्रणाली**घरेलू उद्योग के विचार**

49. वर्तमान जांच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा क्षति के संबंध में किए गए अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :
- विचाराधीन उत्पाद के आयातों में जांच की अवधि के दौरान महत्वपूर्ण वृद्धि के साथ विगत वर्षों में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाई गई है। आयातों में भी भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में वृद्धि दर्शाई गई है।
 - चीन का बाजार अंश मांग में महत्वपूर्ण है। घरेलू उद्योग के बाजार अंश में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में वृद्धि हुई है। यह चीन से महत्वपूर्ण आयातों के कारण है।

- iii. विदेशी उत्पादकों द्वारा कीमतों में कमी के साथ भारतीय उत्पादक के पास उपलब्ध एक मात्र विकल्प के रूप में या तो अपनी कीमतों को आयात कीमतों में बदलाव के अनुसार पुनः तय करना है अथवा आदेशों से हाथ धोना और बाजार अंश कम होना।
- iv. घरेलू उद्योग की कीमतें ऐसी कीमतों के प्रभाव को दर्शाती हैं जो घरेलू बाजार में आयातकों द्वारा पेश की जा रही हैं।
- v. कम कीमत पर बिक्री, कीमत कटौती सकारात्मक है और पर्याप्त है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग कीमतों में गिरावट का सामना कर रहा है क्योंकि वे अपनी कीमतों को तर्कसंगत रूप से बढ़ाने में समर्थ नहीं हैं। इसके लिए मुख्य कारण चीन से अधिक मात्रा में आयातों का होना है, और वह भी पाटित और क्षति कीमत पर।
- vi. घरेलू उद्योग का निष्पादन लाभ, निवेश पर प्रतिफल और नकदी लाभ के संदर्भ में बहुत अधिक मात्रा में गिरावट की ओर गया है।
- vii. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट चीन से गैर-पारिश््रमिक कीमतों पर आयात की मात्रा में महत्वपूर्ण वृद्धि होने के कारण थी।
- viii. बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन की लागत में वृद्धि से कम थी और इसीलिए पाटित आयातों से घरेलू उद्योग पर कीमत में गिरावट का प्रभाव पड़ रहा है।
- ix. घरेलू उद्योग को चीन से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के संबंध में महत्वपूर्ण क्षति का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को, यदि वर्तमान स्थिति जारी रहती है तो क्षति जारी रहने की संभावना है।

उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

50. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा वर्तमान जांच के दौरान किए गए प्रतिवादी अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए क्षति संबंधी अनुरोध इस प्रकार हैं :
 - i. घरेलू उद्योग को कोई क्षति का सामना नहीं करना पड़ रहा और उन्हें क्षति जांच अवधि के दौरान सुधार हुआ है।
 - ii. चीन से आयातों का घरेलू उद्योग के निष्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।
 - iii. कोई कीमत संबंधी कटौती कीमत में दबाव और दमन नहीं है और इसीलिए घरेलू उद्योग का चीन से आयातों के कारण क्षति का दावा अस्वीकार किया जाए।
 - iv. घरेलू उद्योग के लाभ में आयातों के संबंध में वृद्धि हुई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

51. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) के संदर्भ में की जाती है, जिसमें यह प्रावधान है :

"पाटित आयातों से घरेलू उद्योग पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच में सभी संबंधित आर्थिक कारणों का मूल्यांकन उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतक, बिक्री में कमी होने के प्राकृतिक एवं संभावित कारण लाभ, उत्पादन, मार्केट शेयर, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग; घरेलू मूल्यों को प्रभावित करने वाले कारण, वास्तविक पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, वस्तु-सूची (इन्वेन्टीज) रोजगार, वेतन, वृद्धि पूंजी निवेश में वृद्धि करने की क्षमता शामिल है।"

52. प्राधिकारी द्वारा यहां किए गए क्षति विश्लेषण में वर्तमान जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों तथा प्राधिकारी द्वारा संगत पाए अनुरोधों को शामिल किया गया है।
53. प्राधिकारी के पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अनुसार और डीजीएडी की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार गैर-क्षति कीमत की गणना की है।
54. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभावों की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के अनुबंध-II (iv) के अनुसार, उत्पादन क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि जैसे संकेतकों, जिनका उद्योग की स्थिति से संबंध है, पर विचार किया है।

क. पाटित आयातों पर मात्रात्मक प्रभाव

आयात की मात्रा

55. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को यह विचार करना होता है कि क्या पाटित आयातों में वास्तविक खपत के संबंध में अथवा भारत में उत्पादन या खपत के संबंध में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का विश्लेषण किया गया है जो इस प्रकार है :

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
संबद्ध देश से आयात	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	292	1185	2379
अन्य देशों से आयात	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	0	147	68
कुल आयात	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	172	759	1431
घरेलू बिक्री - आवेदक	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	144	153	204
कुल मांग (मी. टन)	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	277	455
कुल आयात में हिस्सा					
चीन जन. गण. से आयात	%	59	100	92	98
अन्य देशों से आयात	%	41	0	8	2

56. उपरोक्त सारणी से यह उल्लेख किया गया है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में विगत वर्षों की तुलना में जांच की अवधि में वास्तविक अर्थों में वृद्धि हुई है।
57. संबद्ध देश के आयातों का अंश समग्र आयातों में 98% है। अतः यह देखा गया है कि संबद्ध देश से मात्रा वास्तविक अर्थों में और कुल आयातों के संबंध में बहुत महत्वपूर्ण हैं।

ख. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत संबंधी प्रभाव

58. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण किए जाने की जरूरत है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में कथित पाटित आयातों से एक महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को कम करने या कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए है, जो सामान्य रूप से हो गई होती। संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण

घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत छिपाव और कीमत ह्रास, यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है। घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) तथा गैर-क्षति कीमत (एनआईपी) के विश्लेषण के लिए संबद्ध देश से आयातों की पहुँच लागत के साथ तुलना की गई है।

क. कीमत कटौती

59. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं (कोटेड और अनकोटेड ग्लास) के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ आयातों की पहुँच कीमत की तुलना की गई है और इन दोनों का भारित औसत इस प्रकार है :

संबद्ध देश के आयातों का पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	37309
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***
कीमत कटौती	रु./मी. टन	***
कीमत कटौती	%	***
कीमत कटौती	रेंज	5-15

60. उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट रूप से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को कीमत कटौती का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि वे संबद्ध देश से कम कीमत के पाटित आयातों के कीमत संबंधी दबाव के कारण अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि नहीं कर सके, जिसमें जांच की अवधि के दौरान मात्रात्मक संदर्भ में पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है।

ख. कम कीमत पर बिक्री

61. प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण उनके सक्षम आई कम कीमत की बिक्री की समस्या की भी जांच की है। लेपित (कोटेड) और अलेपित (अनकोटेड) ग्लास के लिए तुलना की गई है जिसमें दोनों का भारित औसत इस प्रकार है :

संबद्ध देश के आयातों का पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	37309
गैर क्षति कीमत	रु./मी. टन	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./मी. टन	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***
कम कीमत पर बिक्री	रेंज	5-15

62. उपरोक्त सारणी से यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण कम कीमत की बिक्री का सामना करना पड़ा है।

ग. कीमत में दबाव एवं कीमत का दमन

63. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतों पर दबाव अथवा दमन हो रहा है और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव एक महत्वपूर्ण मात्रा में कीमतों को गिराना अथवा कीमत वृद्धि को रोकना है, जो सामान्य तौर पर हो गई होती, याचिकाकर्ता ने क्षति अवधि के दौरान कीमत और लागतों में बदलाव के बारे में विवरण दिया है, जो इस प्रकार है :

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
संबद्ध देश के आयातों का पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	35,963	42,442	38,082	37,309
विषय वस्तु	सूचीबद्ध	100	118	106	104
बिक्रियों की भारित औसत लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	157	149
घरेलू बिक्री कीमत का भारित औसत	र./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	124	127

64. उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट है कि संबद्ध देश से आयातों के पहुँच मूल्य से विगत वर्ष 2013-14 और 2014-15 की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को आयात संबंधी कीमतों के साथ अपनी कीमतों की तुलना करनी पड़ी। अतः जांच की अवधि और समग्र क्षति अवधि के दौरान बिक्री कीमत बिक्री की लागत से काफी अधिक है। यह स्पष्ट रूप से सिद्ध करता है कि घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव और दमन हुआ है।

ग. घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड

65. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभावों की एक उद्देश्यपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली में यह भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, आउटपुट, बाजार अंश, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिफल अथवा क्षमता के उपयोग सहित उद्योग की स्थिति से संबंध रखने वाले संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन के मार्जिन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारकों, नकदी लेन-देन, वस्तु सूची (इंवेंट्री), रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश में वृद्धि करने की क्षमता का एक उद्देश्यपरक और भेदभाव रहित मूल्यांकन शामिल होगा।

66. घरेलू उद्योग के संबंध में विभिन्न क्षति मापदंड नीचे दिए गए हैं :

i. बाजार अंश : घरेलू उद्योग के आयातों, घरेलू बिक्री और बाजार अंश का ब्यौरा इस प्रकार है :

	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	144	153	204
संबद्ध देश से आयात	मी. टन	***	***	***	***
अन्य देशों से आयात	मी. टन	***	***	***	***
कुल आयात	मी. टन	***	***	***	***
कुल मांग	मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	100	150	277	455
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू बिक्री का	%	***	***	***	***
संबद्ध देश से आयात का	%	***	***	***	***
अन्य देशों से आयात का	%	***	***	***	***

उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयात में क्षति जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्रियों के बाजार अंश में विगत वर्षों की तुलना में जांच की अवधि के दौरान तेजी से गिरावट आई है, जबकि इसी अवधि के दौरान संबद्ध देश से आयातों के बाजार अंश में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

- ii. **लाभप्रदता :** यह नोट किया गया है कि इस तथ्य के बावजूद कि घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत में जांच की अवधि में गिरावट आई है और बिक्री कीमत में मामूली वृद्धि हुई है, वे अभी भी संबद्ध देश से पाटित आयातों द्वारा कीमत संबंधी दबाव के कारण लाभ कमाने में असमर्थ हैं। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उन्हें निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई आयात संबंधी

कीमतों से मेल रखने के लिए बाध्य होना पड़ा। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से यह भी देखा गया है कि यद्यपि बिक्री की कीमत में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई गई है, यह निरंतर घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत से नीचे रही जिसके परिणामस्वरूप उनकी बिक्री कीमतों पर समग्र दबाव के चलते निरंतर हानि हुई।

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
बिक्री की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	157	149
बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	124	127
लाभ/हानि	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(41)	(258)	(133)
लाभ/हानि	रु. लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(59)	(396)	(272)
पीबीआईटी	रु. लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(34)	(315)	(211)

iii. **निवेश पर प्रतिफल :** निवेश पर प्रतिफल पर्याप्त रूप से नकारात्मक रहा है, जैसा कि नीचे सारणी से देखा जा सकता है।

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
आरओआई	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(29)	(27)	(168)

iv. **उत्पादन एवं क्षमता उपयोग :** यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग को उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में वृद्धि हुई है, जो इस तथ्य के कारण से है कि उन्होंने अपनी क्षमता में वृद्धि की है और 2013-14 से कोटेड ग्लास का उत्पादन शुरू किया है। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में भी उत्पादन की तरह की प्रवृत्ति रही है। यह उल्लेख किया जाता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है, लेकिन वे अभी भी अपनी क्षमता के अनुसार कहीं भी प्रचालन करने में समर्थ नहीं हैं, यह इस तथ्य के बावजूद है कि देश में मांग काफी है और जांच की अवधि के दौरान मांग में वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
कुल उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	132	150	191
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	87	99	126

v. **बिक्री की मात्रा :** यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में क्षति जांच की अवधि के दौरान धीरे-धीरे वृद्धि हुई है, जो कि देश में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए है, जो इसी अवधि के दौरान बढ़ी है।

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
घरेलू	मी. टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	144	153	204
निर्यात	मी. टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	147	491	634
कुल बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	144	172	229

vi. **वस्तु सूचियां:** संबद्ध वस्तुओं की वस्तु सूची (इंवेंट्री) से संबंधित आंकड़े नीचे सारणी में दिए गए हैं :

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
वस्तु सूची	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	77	61

vii. **रोजगार और मजदूरी :** रोजगार और मजदूरी के संबंध में स्थिति इस प्रकार है :

	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	98	106	138
मजदूरी/कर्मचारी	रु./संख्या	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	111	132	129

उपरोक्त सारणी से यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा लगाए गए कर्मचारियों की संख्या में क्षति जांच की अवधि के दौरान क्षमता और उत्पादन में वृद्धि के अनुसार वृद्धि हुई है। तथापि, उन्हें भुगतान की गई मजदूरी में तत्काल पूर्व के वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई है।

viii. **उत्पादकता :** नीचे सारणी से यह देखा जा सकता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में प्रति कर्मचारी उत्पादन के संदर्भ में उत्पादकता में वृद्धि हुई है। उत्पादकता में वृद्धि होने के बावजूद, घरेलू उद्योग का निष्पादन जांच की अवधि में नकारात्मक रहा है। तदनुसार, उत्पादकता ऐसा कारक नहीं है जिसके कारण से क्षति हो।

	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
उत्पादन (मी. टन)	मी. टन	***	***	***	***
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
उत्पादन/कर्मचारी	मी. टन/सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	135	144	139

ix. **पाटन की मात्रा :** पाटन की मात्रा एक ऐसा संकेतक है जिसमें पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। विश्लेषण से यह पता चलता है कि संबद्ध देश पर निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक और पर्याप्त है।

- x. **पूंजीगत क्षमता में वृद्धि को रोकना :** क्षेत्र में भावी निवेश पर संबद्ध देश से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण प्रभाव पड़ता है। नकारात्मक लाभ, निवेश पर प्रतिफल व घटता बाजार अंश यह दर्शाता है कि क्षेत्र के लिए पूंजी निवेश में वृद्धि के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है।
- xi. **घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारक :** जांच से यह दर्शाया गया है कि भारत में संबद्ध वस्तुओं की पर्याप्त मांग है। संबद्ध देश से पाटित आयात की कीमतें, घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को सीधे प्रभावित कर रही हैं। यह भी नोट किया गया है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की गैर-क्षति कीमत से कम है। इसके अलावा, संबद्ध देश से पहुँच मूल्य ने घरेलू उद्योग की कीमतों का दमन किया है जिसके कारण उन्हें वित्तीय हानि उठानी पड़ी। संबद्ध देश के अलावा, अन्य देशों से विचाराधीन उत्पादों का आयात घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुँचा रहा है अथवा गैर-पाटित कीमतों पर है क्योंकि इन देशों द्वारा पेश की गई कीमतें काफी अधिक हैं। उत्पाद के लिए मांग वृद्धि की प्रवृत्ति दर्शा रही है और इसीलिए घरेलू उद्योग को कीमत के दबाव और दमन के लिए जिम्मेदार कारक नहीं है। अतः यह स्पष्ट है कि संबद्ध देश से पाटित वस्तुएं घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव और दमन के लिए जिम्मेदार हैं।
- xii. **वृद्धि :** आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में बिक्री और उत्पादन के संदर्भ में घरेलू उद्योग की सकारात्मक वृद्धि हुई थी। तथापि, जांच की अवधि में विगत वर्ष की तुलना में मांग में पर्याप्त वृद्धि के बावजूद लाभ, नकद लाभ तथा आरओआई नकारात्मक रहे हैं। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि मांग में वृद्धि होने के साथ ही, घरेलू उद्योग ने लाभ, आसान नकदी प्रवाह तथा निवेश पर प्रतिफल में वृद्धि की संभावना की थी। तथापि, घरेलू उद्योग संबद्ध देश से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण इस वृद्धि को हासिल नहीं कर पाया।
- घ. **सामग्री क्षति पर निष्कर्ष**
67. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा और कीमत संबंधी प्रभावों की जांच करने के बाद प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में समूची क्षति जांच अवधि के दौरान पर्याप्त वृद्धि हुई है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण कीमत संबंधी प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव/दमन हो रहा है। पहुँच मूल्य की घरेलू उद्योग की गैर-क्षति कीमतों के साथ तुलना से यह भी पता चलता है कि पर्याप्त रूप से कम कीमत पर बिक्री हो रही है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि लाभ, निवेश पर प्रतिफल, तथा नकदी प्रवाह के संबंध में निष्पादन नकारात्मक रहा है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को जांच की अवधि के दौरान पर्याप्त क्षति का सामना करना पड़ा है।
- ङ. **अन्य ज्ञात कारण और कारणात्मक संबंध**
68. घरेलू उद्योग की कीमतों पर कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत दबाव और दमन के प्रभावों के संदर्भ में पाटित आयातों के सामग्री क्षति, मात्रा और कीमत संबंधी प्रभाव की मौजूदगी की जांच करते हुए प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए भारतीय पाटनरोधी नियमों और करार के तहत सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मापदंडों की भी जांच की है कि क्या पाटित आयातों को छोड़कर अन्य कारक घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जिम्मेदार हैं।
- (क) **तीसरे देश से आयातों की मात्रा और कीमतें**
69. जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से भिन्न अन्य देशों से संबद्ध वस्तुओं की आयात मात्रा में महत्वपूर्ण नहीं है और अधिक कीमतों पर बताए गए थे। अतः अन्य देशों से आयात घरेलू उद्योग को क्षति होने का कारण नहीं माना जा सकता।
- (ख) **मांग में कमी और खपत की पद्धति में बदलाव**
70. पूरी क्षति अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद की मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है। अतः मांग में कमी घरेलू उद्योग को क्षति का एक संभावित कारण नहीं है।
- (ग) **प्रौद्योगिकी में विकास :**
71. संबंधित उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई बदलाव नहीं आया है। अतः प्रौद्योगिकी में विकास घरेलू क्षति के लिए क्षति कारक नहीं है।

(घ) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया और प्रतिस्पर्द्धा

72. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंध प्रक्रिया नहीं है, जिससे कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो क्योंकि कच्ची सामग्री तथा संबद्ध वस्तुएं देश में आसानी से आयात की जा सकती हैं।

(ङ) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

73. प्राधिकारी द्वारा केवल घरेलू प्रचालनों पर विचार करके क्षति विश्लेषण किया गया है। अतः निर्यात बाजार में निष्पादन ने वर्तमान क्षति विश्लेषण को प्रभावित नहीं किया है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

74. यह नोट किया जाता है कि प्रति कर्मचारी उत्पादन तथा प्रतिदिन उत्पादन के संदर्भ में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में समय के साथ वृद्धि हुई है।
75. अतः यह नोट किया जाता है कि सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारक यह नहीं दर्शाते कि घरेलू उद्योग को इन अन्य कारकों के कारण क्षति का सामना करना पड़ा है। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह सुझाव देने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है कि घरेलू उद्योग को हुई सामग्री क्षति अन्य ज्ञात कारकों के कारण है। दूसरी ओर निम्नलिखित मापदंड यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है :

- संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात काफी कम कीमत पर था। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग बढ़ती लागतों के अनुरूप अपनी कीमतों में वृद्धि नहीं कर पाया। घरेलू उद्योग के समक्ष कीमत संबंधी दबाव और कीमत का दमन होने की समस्या मुख्यतः संबद्ध देश से उत्पाद के पाटित आयातों के कारण है।
- घरेलू उद्योग की घरेलू कीमतों पर दबाव के कारण निरंतर हानि और जांच की अवधि के दौरान निवेश पर नकारात्मक प्रतिफल रहा है। बढ़ती लागतों के अनुसार कीमत में वृद्धि करने में असमर्थता के कारण घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन को हानि पहुँची है।

76. अतः यह निष्कर्ष निकाला गया है कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण काफी क्षति का सामना करना पड़ा है।

च. क्षति मार्जिन का मात्रा

77. घरेलू उद्योग द्वारा कोटेड और अनकोटेड रूप में उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की निर्धारित गैर-क्षति कीमत की जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से निर्यातों के पहुँच मूल्य के साथ तुलना की गई है। निर्धारित भारित औसत क्षति मार्जिन प्रकार है :

क्रम सं.	उत्पादक	पहुँच मूल्य	एनआईपी	क्षति मार्जिन		
		अमेरिकी डॉलर/ मी. टन	अमेरिकी डॉलर/ मी. टन	अमेरिकी डॉलर/ मी. टन	%	रेंज
i	हेनन अनकाई हाई टेक कं. लि.	***	***	***	***	5-15
ii	जिंयी सोलर (हांगकांग) लि. के माध्यम से जिंयी पीवी प्रोडक्ट्स (अनहुई) होल्डिंग लि.	***	***	***	***	5-15
iii	डोंगगुआं सीएसजी सोलर ग्लास कं. लि.	***	***	***	***	15-25
iv	वुजियांग सीएसजी ग्लास कं. लि.	***	***	***	***	10-20
v	कोई अन्य	***	***	***	***	20-30

ज. प्रकटीकरण पश्चात टिप्पणियां

78. हितबद्ध पक्षकारों से प्रकटीकरण पश्चात अनुरोध प्राप्त हुए हैं। इनमें उठाए गए मुद्दों को पहले ही जांच के दौरान उठाया गया था और उनका उचित रूप से समाधान किया गया था। तथापि, स्पष्टता के लिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई प्रस्तुतियों की निम्नानुसार जांच की जा रही है:-

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

79. अनुरोधों को निम्नानुसार संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया गया है:-

- क) चीन के उत्पादकों/निर्यातकों के उत्तर को खारिज किया जाना चाहिए क्योंकि वे चीन की सरकार से उनके द्वारा प्राप्त आर्थिक सहायता के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध कराने में असफल रहे हैं। चीन के उत्पादकों की बैलेंस शीट तथा यूरोपियन संघ और टर्की द्वारा की गई जांच स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि चीन के उत्पादकों ने चीन की सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई आर्थिक सहायता से लाभ उठाया है। चीन के उत्पादकों द्वारा दी गई सूचना के आलोच्य भाग की ऐसी त्रुटि ने प्राधिकारी को भ्रम में डाला है जो उनके द्वारा प्रस्तुत सारी सूचना को अविश्वसनीय बनाता है।
- ख) चीन से उत्तर देने वाले उत्पादक अर्थात् डांगगुआन सी एस जी वुजियांग सी एस जी, झिनयी पी वी उत्पाद (अनहुई) और हेनान अंसाई ने उनकी संपूर्ण मूल्य शृंखला उपलब्ध नहीं कराई आई है क्योंकि चीन में उनकी संबंधित हस्तियों ने जांच में भाग नहीं लिया है। अतः चीन के उत्पादकों के उत्तरों को पूर्ण और संपूरित उत्तर प्राप्त करने के लिए अस्वीकृत किया जाना चाहिए।
- ग) चीन से उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रतिशतांक शेयरधारिता के बारे में विवरणों को प्रकट नहीं किया है। इन्होंने सारी संबद्ध कंपनियों के संबंध में भी कोई विवरण नहीं दिया है जो संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन से संबंधित गतिविधियों में संलग्न हैं।
- घ) वुजियांग ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए प्रयुक्त मुख्य कच्ची सामग्रियों में से एक की आपूर्ति करने वाली अपनी संबंधित कंपनियों के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। उनकी वेबसाइट स्पष्ट रूप से बताती है कि कंपनी लाभ प्राप्त कर रही है क्योंकि वह केवल समूह के भीतर ही कच्ची मदों और अन्य मदों की अधिप्राप्ति कर रही है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों/उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों द्वारा किए गए अनुरोध

80. अनुरोधों को संक्षिप्त रूप में नीचे दिया गया है:-

- क) प्रकटीकरण विवरण में ऑल इंडिया सोलर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एआईएसआईए) के संगीन अनुरोधों को ग्रहण नहीं किया है जैसे सामग्री की क्षति पर अनुरोध।
- ख) प्राधिकारी ने प्रकटीकरण विवरण में याचिकाकर्ता द्वारा याचिका में अगोपनीय रूप में उपलब्ध कराई गई मूल सूचना जैसे कि निवेश पर आय (आर.ओ.आई.) की प्रवृत्ति, को गोपनीय माना है। इस प्रकार प्रकटीकरण विवरण गंभीर त्रुटि से पूर्ण है। अतः इसे आवश्यक तथ्यों सहित प्राधिकारी द्वारा दुबारा जारी किया जाना चाहिए।
- ग) प्रकटीकरण विवरण किसी सामग्री क्षति को नहीं दर्शाता क्योंकि घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री जांच अवधि में आधार वर्ष से दोगुनी हो गई है। साथ ही व्याज कीमत, उत्पादन और क्षमता उपयोग में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाई गई है।
- घ) उत्पादन की प्रति इकाई मजदूरी में भी वृद्धि हुई है और यह कथित पाटन के कारण नहीं हो सकती। कथित पाटन आयातों ने रोजगार और मजदूरी पर कोई प्रभाव नहीं डाला है क्योंकि कर्मचारियों के उत्पादन-निष्पादन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।
- ङ) प्राधिकारी ने मै. डांगगुआन सीएसजी सोलर ग्लास कंपनी लिमिटेड, चीन और मै. वुजुआंग सीएसजी सोलर कंपनी लिमिटेड के निर्यात कीमत को स्वीकार किया है क्योंकि यह निर्यात कीमत में बिना किसी और समायोजन के बिना निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर के साथ प्रस्तुत किया गया था (केवल मै. डांगगुआन महत्वपूर्ण सी एस जी सोलर ग्लास कंपनी लिमिटेड के मामले में सिंगापुर के जरिए किए गए कुल सौदे के 8% को उपेक्षित करने के एकमात्र अपवाद के साथ)। इस प्रकार यदि किसी स्तर पर, यह प्रकट होता है कि निर्यात कीमत में कोई अन्य समायोजन किया गया है और उसे और उसका प्रकटीकरण विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है तब उसे प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन माना जा सकता है।
- च) प्राधिकारी द्वारा डांगगुआन और वुजियांग सीएसजी के एमईटी दावे की अस्वीकृति गलत और भ्रामक आधार पर की गई थी कि मै. डांगगुआन सीएसजी ने संबंधित पक्षकारों से कच्ची सामग्री की अधिप्राप्ति की है और ऐसी अधिप्राप्तियों की दरें, मात्रा और कीमतों का ब्यौरा प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं कराया गया है। सभी उचित समय पर श्रेणीबद्ध प्रकटीकरण के बावजूद कि यह केवल डांगगुआन पीएसजी है और वुजियांग सी एस जी नहीं जिसने संबंधित पक्षकारों से कच्ची सामग्री खरीदी है,

तथ्यात्मक रूप से गलत है। विस्तृत प्रश्नावली उत्तर दायर करने और पक्षकारों द्वारा बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद डांगगुआन सीएसजी और वुजियांग सीएसजी पर चीन में किसी स्थान पर ऑन साइट जांच आयोजित नहीं की गई।

छ) पहुंच मूल्य, बिक्रियों की लागत और औसत बिक्री कीमतों का प्रवृत्ति विश्लेषण दर्शाता है कि पिछले वर्षों 2013-14 और 2014-15 की तुलना में पी ओ आई के दौरान संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमत में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग कथित पाटित वस्तुओं के उतराई मूल्य साथ ही उत्पादन की लागत में गिरावट के बावजूद, पी ओ आई के दौरान घरेलू बिक्री कीमत में वृद्धि करने में सक्षम है।

ज) आवेदक ने उत्पादन क्षमता का अधिकतम स्तर तक उपयोग किया है। आवेदक के लिए देश की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने की कोई गुंजाइश नहीं है। इस प्रकार यह साक्ष्य है कि पाटन रोधी शुल्क को लगाने से आवेदकों के मात्रात्मक आर्थिक मापदंडों में सुधार नहीं होगा।

झ) प्राधिकारी ने कीमत क्षति पर पहुंचते समय सोलर सेल्स और मॉड्यूल्स पर पाटन रोधी शुल्क का अधिरोपण न होने के कारण विपरीत प्रभाव की गणना नहीं की है, हालांकि विभिन्न देशों से सोलर सेल्स और मॉड्यूल्स के आयातों का वृहत विपरीत प्रभाव पड़ा है। आवेदक गैस की उपलब्धता और कीमतों के कारण लगातार समस्या का सामना कर रहा है। उचित निर्धारण के लिए क्षति विश्लेषण से इसे अलग किया जा सकता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

81. यह नोट किया जा सकता है कि प्रकटीकरण पश्चात की स्थिति पर उठाए गए मुद्दों की ऊपर संगत पैराग्राफों में प्राधिकारी द्वारा पहले ही जांच कर ली गई है तथापि अनुरोधों की स्पष्टता के लिए उनका नीचे उल्लेख किया गया है:-

क) जहां तक आरओआई की प्रवृत्ति का संबंध है यह गलती से बिना प्रकटीकरण किए बिना रह गया था, इसका अंतिम जांच परिणाम में प्रकटीकरण किया गया है। हालांकि पक्षकारों के पास निरीक्षण के लिए सार्वजनिक रूप से रखी गई और अगोपनीय के रूप में चिन्हित आंकड़ों के सत्यापन के लिए पर्याप्त अवसर था।

ख) जहां तक मै. डांगगुआन सीएसजी सोलर ग्लास कंपनी लिमिटेड और मै. वुजियांग सीएसजी सोलर कंपनी लिमिटेड द्वारा एमईटी दावे की अस्वीकृति का मुद्दा है, यह देखा गया है कि दोनों कंपनियां संयुक्त रूप से मूल कंपनी एनएसजी ग्रुप द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। सीएसजी ग्रुप के भीतर उत्पाद बेचे जाते हैं और कच्ची सामग्री क्रय की जाती है और तकनीकी सेवाएं प्राप्त की जाती हैं। यह भी नोट किया गया है कि सी एस जी ग्रुप के भीतर ऋण भी प्रदान किए जाते हैं। बही खातों से यह भी नोट किया गया है कि लेखे प्राप्ति योग्य हैं, ब्याज अदायगी योग्य हैं और ग्रुप में अन्य की अदायगी योग्य हैं। निर्यातक दस्तावेजों से यह प्रमाणित करने में असफल रहे हैं कि यह सभी लेन-देन “आर्म्स लैथ” पर हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि प्राधिकारी ने दोनों निर्यातकों के एमईटी दावे को अस्वीकृत कर दिया है।

ग) जहां तक मै. डांगगुआन सीएसजी सोलर ग्लास कंपनी लिमिटेड, चीन और मै. वुजियांग सीएसजी सोलर कंपनी लिमिटेड की निवल निर्यात कीमत के परिचालन के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत रिकार्डों के अनुसार अंतर्देशीय माल भाड़ा, हैंडलिंग प्रभार, विदेशी माल भाड़ा, विदेशी बीमा, निर्यात पैकिंग, क्रेडिट व्ययों, बैंक प्रभारों और 4% गैर- अदायगी योग्य वैट समायोजनों की कटौती के पश्चात एनईपी को परिकलित किया है।

घ) संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण कीमत संबंधी प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबावक्षति कीमतों के साथ तुलना से यह भी लू उद्योग की गैर दमन हो रहा है। पहुंच मूल्य की घरे/पता चलता है कि पर्याप्त रूप से कम कीमत पर बिक्री हो रही है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि लाभ, निवेश पर प्रतिफल, नकदी प्रवाह के संबंध में निष्पादन नकारात्मक रहा है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को जांच की अवधि के दौरान पर्याप्त क्षति का सामना करना पड़ा है।

ड) इस तर्क के संबंध में कि याचिकादाता समग्र भारतीय मांग को पूरा करने की स्थिति में नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी शुल्क लगाने से भी संबद्ध देश से किसी भी तरीके से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए ये उपभोक्ताओं को ऐसे उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं डालेंगे। उपभोक्ता फिर भी उचित बाजार कीमत पर आपूर्ति के समस्त स्रोतों का लाभ उठा सकते हैं। इसलिए पाटन-रोधी शुल्क लगाने से उपभोक्ताओं को ऐसे उत्पाद की उपलब्धता पर

प्रभाव नहीं पड़ेगा। घरेलू उद्योग को देश में ऐसे उत्पाद की मांग/खपत पर अधिपत्य प्राप्त हो। प्राधिकारी आगे यह भी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी नियमों में उपयुक्त और पर्याप्त पाटन-रोधी उपाय लागू करने का प्रावधान है ताकि पाटन की तुलना में घरेलू उद्योग को व्यापार करने का उपयुक्त और समान वातावरण प्राप्त हो सके।

झ. निष्कर्ष

82. प्राधिकारी ने पूर्वगामी पर विचार करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि :

- i. संबद्ध वस्तुओं का संबद्ध देशों से भारत को इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया है।
- ii. घरेलू उद्योग को सामग्री क्षति का सामना करना पड़ा है।
- iii. सामग्री क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण हुई है।

भारतीय उद्योग के हित और अन्य मामले

83. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ेगा। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा में कमी नहीं होगी। विपरीत इसके, पाटनरोधी उपायों के कारण पाटन की प्रथा से प्राप्त अनुचित लाभ को दूर किया जा सकेगा, जिससे घरेलू उद्योग की गिरावट को रोका जा सकेगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प की उपलब्धता मिलती रहेगी। उपभोक्ता के पास आपूर्ति के दो या अधिक स्रोत बने रहेंगे।
84. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं से घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति स्थापित हो सके जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लगने से संबद्ध देश से किसी भी रूप में आयात नहीं कर सकेंगे और इसीलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ज. सिफारिशें

85. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच शुरू करके सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था और निर्यातक, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमावली के तहत पाटन, क्षति और उनके कारणात्मक संबंध की जांच आरंभ करके और ऐसे आयातों के कारण घरेलू उद्योग को सकारात्मक पाटन मार्जिन न सामग्री क्षति प्रमाणित करते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि पाटनरोधी शुल्क लगाना पाटन और क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर नीचे दिए गए रूप और ढंग से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।
86. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना की तारीख से पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में भी जो भी कम हो, के समान निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार, संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर नीचे दी गई सारणी के कॉलम सं. 9 में उल्लिखित राशि के समान पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका									
क्रम सं.	टैरिफ कोड*	वस्तुओं का विवरण	विनिर्देशन	मूलता का देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि (अ. डॉलर)	यूओएम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1)	70071900	टैक्चर्ड टफेन्ड (टैम्पर्ड)	**	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	हेनन अनकाई हाई टेक कं. लि.	हेनन अनकाई हाई टेक कं. लि.	64.04	मी. टन
2)	70071900	कोटेड और अनकोटेड ग्लास	**	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	जिंयी पावर प्रोडक्ट्स (अनहुई) होल्डिंग लि.	जिंयी सोलर लिमिटेड (हांगकांग)	52.85	मी. टन
3)	70071900		**	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	डोंगगुआं सीएसजी सोलर ग्लास कं. लि.	डोंगगुआं सीएसजी सोलर ग्लास कं. लि.	97.63	मी. टन
4)	70071900		**	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	वुजियांग सीएसजी ग्लास कं. लि.	वुजियांग सीएसजी ग्लास कं. लि.	83.38	मी. टन
5)	70071900		**	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	उपरोक्त क्रम सं. 1 से 4 के अलावा कोई अन्य	उपरोक्त क्रम सं. 1 से 4 के अलावा कोई अन्य	136.21	मी. टन
6)	70071900		**	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. के अलावा कोई अन्य देश	कोई	कोई	136.21	मी. टन
7)	70071900		**	चीन जन. गण. के अलावा कोई अन्य देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	136.21	मी. टन

* सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और शुल्क का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के विवरण के अनुसार किया जाएगा।

** टैक्सचर्ड टफेन्ड (टैम्पर्ड) ग्लास जिसमें न्यूनतम 90.4 प्रतिशत ट्रांसमिशन हो मोटाई 5.2 मिमी. से अधिक न हो (0.2 मिमी. की सहनशीलता सहित) और जहां कम से कम एक किनारा 1500 मिमी. से अधिक हो, चाहे कोटेड अथवा अनकोटेड

87. इस अधिसूचना के प्रयोजन से आयातों का पहुँच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का क्रमांक 52) के तहत सीमा शुल्क से यथा निर्धारित आकलनीय मूल्य होगा और इसमें इस अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत शुल्कों को छोड़कर सभी सीमा शुल्क शामिल होंगे।

88. इस अंतिम जांच परिणाम के कारण केंद्र सरकार के आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपील न्यायाधिकरण के समक्ष की जा सकेगी।

डॉ. इंद्रजीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING & ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th June, 2017

Final Finding

Subject: Anti-dumping duty investigation concerning imports of "Textured Tempered Coated and Uncoated Glass", originating in or exported from China PR.

F. No. 14/03/2016-DGAD: 1.—M/s Gujarat Borosil Limited (hereinafter also referred to as the Petitioner or Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) for imposition of Anti-dumping duty on imports of "Textured Toughened (Tempered) Glass with a minimum of 90.5% transmission having thickness not exceeding 4.2 mm (including tolerance of 0.2 mm) and where at least one dimension exceeds 1500 mm, whether coated or uncoated" (hereinafter also referred to as the subject goods or PUC) from China PR (hereinafter also referred to as the subject country).

2. Whereas, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant, issued a Notification No.14/03/2016-DGAD dated 23rd June, 2016, published in the Gazette of India, initiating the subject investigations in accordance with the Rule 5 of the above Rule to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from China, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
- The Designated Authority, under the above Rules, received a written application from the Applicant on behalf of the domestic industries, alleging dumping of "Textured Tempered Coated and Uncoated Glass", originating in or exported from China PR.
 - The Authority notified the Embassy of China in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
 - The Authority issued a public notice dated 23rd June, 2016 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
 - The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassy of China PR in India, known producers/exporters from China PR and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
 - The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in China PR, (whose details were made available by the applicant) and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.

1. Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd.
 2. Zhejiang Jiafu Glass Co Ltd (Shanghai Flat glass, FSG Group)
 3. Henan Ancai Hi Tech Co Ltd.
 4. Shaanxi Topray solar wienan, China
 5. Xinyi Solar (Hongkong) Limited
- vi. Following producers/exporters have filed their Questionnaire responses in the above matter.
1. Henan Ancai Hi Tech Co Ltd.
 2. Xinyi PV Products (Anhui) Holding Ltd.
 3. Xinyi Solar (Hongkong) Limited
 4. Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd.
 5. Wujiang CSG Glass Co Ltd.
- vii. M/s. Shenzhen Topray Solar Co. Ltd., China have only filed injury submissions in the above matter.
- viii. The Authority also forwarded a copy of the Initiation Notification to the following known importers/users/user associations (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the time limit prescribed by the Authority in accordance with the Rule 6(4):
1. Waaree Energies Limited
 2. Alpex Exports Pvt Ltd
 3. Vikram Solar Pvt Ltd
 4. Surana Solar Limited
 5. Topsun Energy Limited
 6. Tata Power Solar Systems Limited
 7. Emmvee Photovoltaic Power Pvt Ltd
 8. Navitas Green Solutions Pvt Ltd
 9. Sova Power Limited(Godown)
- ix. Following importers/users have filed their submissions/representations in the above matter.
1. Emvee Solar
 2. Vikram Solar
 3. All India Solar Industries Association (AISIA)
- x. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6 (7).
- xi. The Authority has examined the information furnished by the domestic producer to the extent possible on the basis of guidelines laid down in Annexure III to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in.
- xii. The period of investigation for the purpose of present investigation is from 1st January 2015 to 31st December 2015 (12 months). However, the injury investigation period will cover the data of previous three years, i.e. April 2012 to March 2013, April 2013 to March 2014, April 2014 to March-2015 and POI.
- xiii. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by the domestic industry was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the investigation.
- xiv. Non-injurious price has been determined based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted

Accounting Principles (GAAP) so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.

- xv. Transaction wise data was called from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and the same has been adopted for determination of volume and value of imports of product concerned in India.
- xvi. The Authority held an oral hearing on 15th May, 2017 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance with Rule 6 (6), which was attended by the representatives of domestic industry, M/s Henan Ancai Hi Tech Co Ltd., M/s Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd., M/s Wujiang CSG Solar Glass Co Ltd., M/s Shenzhen Topray Solar Co. Ltd., exporters from China and M/s Vikram Solar and All India Solar Industries Association, importers/user association of the product in India. The interested parties who presented their views orally at the time of oral hearing were asked to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were provided opportunity to offer rejoinder submissions to the views expressed by other interested parties. The submissions made therein have been duly considered and addressed appropriately.
- xvii. Exporters, producers and other interested parties who have neither responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- xviii. A Disclosure Statement was issued on 9.06.2017 containing essential facts under consideration of the Designated Authority, giving time up to 16.06.2017 to furnish comments, if any, on Disclosure Statement. The Authority has considered post disclosure comments received from interested parties appropriately.
- xix. ***in this Final Findings represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xx. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is
1US\$ = Rs.65.11.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

- 4. The product under consideration in the present application is "Textured Toughened (Tempered) Glass with a minimum of 90.5% transmission having thickness not exceeding 4.2 mm (including tolerance of 0.2 mm) and where at least one dimension exceeds 1500 mm, whether coated or uncoated".
- 5. The subject goods are used as a component in Solar Photovoltaic Panels and Solar Thermal applications. The glass of thickness 3.2 mm and 4 mm is generally used in Solar Photovoltaic Panels and Solar Thermal applications as per the current trend. The minimum level of transmission required in the subject goods can be achieved by keeping the iron content low, typically less than 200 ppm. The transmission level goes up by about 2%-3% when coated with an anti-reflective coating. The glass whether coated or uncoated is tempered / toughened in a tempering furnace, as it is essential for solar applications.

Submissions by the Domestic Industries

- 6. The submissions made by domestic industry are as follows:
 - i. The anti-dumping duties are required to be imposed on product under consideration whether in coated form or uncoated form.
 - ii. In past as well DGAD has restricted the scope of product under consideration on the basis of application and the same view can be taken in the present case.
 - iii. The product is also known by various names such as Solar Glass, Low Iron Solar Glass, High Transmission Photovoltaic Glass, Tempered Low Iron Patterned Solar Glass etc. The subject goods are classified under

chapter heading 70071900. The customs classification, however, is indicative only, and the same is not binding on the scope of the PUC under investigation.

- iv. According to the Domestic Industry, there is no difference in the subject goods produced by them and that imported from the subject country. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from subject country are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods.
- v. The claims of the exporters from China that since the domestic industry is not “capable” of producing solar glass below 3.2mm thickness, the solar glass under 3.2mm thickness should be excluded from the scope of the PUC is completely baseless and factually incorrect. The domestic industry has the capability to produce and have indeed produced the glass below 3.2mm thickness also during the Period of Investigation. The evidence in this regard is already on record. It may be seen that the quantities of thickness below 3.2mm produced by the Domestic Industry is rather limited which is on account of the fact that there was little demand of such thicknesses during the period. An analysis of the import data also confirms that the demand for solar glass below 3.2mm thickness was almost non-existent during the period of investigation. It needs to be appreciated that the production of the thicknesses is dependent upon the orders received. In any case, the legal test as well as the Authority’s consistent practice is to examine whether the domestic industry has the capability to produce an article and not the actual production during any particular period. The interested parties have also limited their objection to the “capability” of the Domestic Industry to produce thicknesses below 3.2mm.
- vi. In the recent finding of the Authority in the case of “Seamless tubes, pipes & hollow profiles of iron, alloy or non-alloy steel (other than cast iron and stainless steel), whether hot finished or cold drawn or cold rolled of an external diameter not exceeding 355.6 mm or 14” OD, originating in or exported from China PR.” the Authority, while defining the scope of the PUC held as under:

*12... iv. “As regards, the submission of certain interested parties to exclude a wide variety of pipes and tubes from the purview of the PUC on the ground that either the domestic industry does not manufacture the same or does not have the capacity to manufacture the same or does not manufacture quality products, **the Authority notes that the domestic industry has the required plant and machinery for manufacturing all the varieties of the PUC.** Therefore, exclusion of any variety of PUC from the purview of the PUC, other than those which have specifically been excluded from the purview of the PUC, may not be appropriate.*

*vii. **Domestic industry has provided supportive evidence that they have technology to manufacture and supply such grades** like ASTM A335 Gr. and P-91, which are higher than Grades SAE 8720, C-95, Boiler Pipes – T91/ P91/, T5/ P5, T9/ P9 and boiler pipes having thickness greater than 40mm, Process Pipes – Grade P5 and P9, Mother Pipes (Hollows) for cold drawing, being demanded for exclusion from the purview of the PUC. Thus Authority did not find appropriate to exclude from the scope of the product under consideration.*

- vii. The claim of the exporter that the domestic industry has not produced or is not capable of producing solar glass below 3.2mm thickness and therefore the solar glass under 3.2mm thickness should be excluded from the scope of the PUC, is without any legal or logical basis and the same is liable to be rejected outright.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

7. The submissions made by other interested parties are as follows:

- i. That the 'like' domestic article is different to PUC on various parameters, including but not limited to the domestic industry products having characteristics such as higher field output, PID resistant, lowest iron content, toxin free glass, anti-reflective coating glass efficiency, accreditations.
- ii. The applicant has limited capability and only produces solar glass of 3.2mm, 4.0mm and 5.0mm thickness. Further, since the applicant has claimed to be the sole producer of the PUC, it is evident that the domestic

industry is not capable of producing solar glass below the 3.2mm thickness. Therefore, the solar glass under 3.2mm thickness should be excluded from the scope of the PUC.

Examination by the Authority

8. The product under consideration in the present investigation as per the initiation notification is as follows-
“Textured Toughened (Tempered) Glass with a minimum of 90.5% transmission having thickness not exceeding 4.2 mm (including tolerance of 0.2 mm) and where at least one dimension exceeds 1500 mm, whether coated or uncoated.”
9. The subject goods are used as a component in Solar Photovoltaic Panels and Solar Thermal applications. The glass of thickness 3.2 mm and 4 mm is generally used in Solar Photovoltaic Panels and Solar Thermal applications as per the current trend. The minimum level of transmission required in the subject good can be achieved by keeping the iron content low, typically less than 200 ppm. The transmission level goes up by about 2%-3% when coated with an anti-reflective coating liquid. The glass whether coated or uncoated is tempered / toughened in a tempering furnace, as it is essential for solar applications.
10. The product in the market parlance is also known by various names such as Solar Glass, Low Iron Solar Glass, High Transmission Photovoltaic Glass, Tempered Low Iron Patterned Solar Glass etc. The subject goods are classified under chapter heading 70071900. However, it has been claimed by the petitioner that the subject goods are also being imported under various other tariff headings like 70031990, 70051010, 70051090, 70052190, 70052990, 70053090, 70071900 etc. It is clarified that the HS codes are only indicative and the product description shall prevail in all circumstances.
11. The contention of the interested parties that the applicant has limited capability and only produces solar glass of 3.2mm, 4.0mm and 5.0mm thickness therefore, the solar glass under 3.2mm thickness should be excluded from the scope of the PUC, has been examined and it has been found that the domestic industry is capable of producing solar glass below 3.2 mm and the same have been produced and commercially supplied in the POI. Therefore the said claim of the interested parties is found to be incorrect and is rejected.
12. With regard to like article, Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules provides as under:-

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;
13. After considering the information on record, the Authority holds that there is no material difference in product under consideration exported from subject country and the product produced by the Indian industry. Product under consideration produced by the domestic industry is comparable to the imported subject product in terms of physical characteristics, production technology & manufacturing process, functions & uses, product specifications, distribution & marketing. The two are technically and commercially substitutable.
14. Thus, the Authority holds that the product manufactured by the domestic industry and the subject goods imported into India from the subject country are like articles within the meaning of the Anti-dumping Rules;

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Submissions by the Domestic Industries

15. The submissions made by the domestic industry are as follows:
 - i. The petition has been filed by M/s. Gujrat Borosil Limited Ltd. (referred to as Petitioner/Applicant) for imposition of anti-dumping duty on the subject goods from China PR. The petitioner is the sole producer of the subject goods in India therefore the petitioner alone constitutes a major proportion of Indian production of the subject goods in terms of rules. The petitioner has sufficient standing and constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.

- ii. Petitioner has not imported the subject goods from subject country during the POI. Petitioner is not related (either directly or indirectly) to any exporter or importer of product under consideration in the subject country. Thus the petitioner is eligible domestic industry under Rules 2(b) and 5(3) of the AD Rules.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

16. None of the interested parties have submitted any comment on the standing of the Domestic Industry.

Examination by the Authority

17. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

“(b)“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

18. The application in the present case has been filed by M/s Gujrat Borosil Ltd., the only domestic producer of the product under consideration and who has provided detailed information for investigation in the matter of imposition of anti-dumping duty on imports of subject goods from China PR. The authority determined at the stage of initiation that the petitioner, being the sole producer of the subject good satisfied requirement of standing under the Rules and the Petitioner constituted domestic industry within the meaning of the Rules.
19. The production of the petitioner alone constitutes 100% of Indian production. Accordingly, the authority holds that that the petitioner satisfied the requirement of standing under Rule 5(3) and constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

D. ISSUES RELATING TO CONFIDENTIALITY

Submissions by the Domestic Industries

20. The submissions made by domestic industry are as follows:

- i. The petitioner has claimed only such information as confidential, the confidentiality of which has been permitted under the rules and as per consistent practice of the Authority.
- ii. The petitioner has provided sufficient non confidential version of the application. No interested party has been able to point out any specific instance of information which has been claimed confidential and confidentiality of which is not justified under the rules.
- iii. Information such as volume of exports to India, gross volume of sales in domestic market, production, sales, average price for exports to India have been provided in indexed version as the information is business proprietary information.
- iv. None of the exporters has provided the non-confidential version which is an exact replica of their confidential version. They have kept all the volume related information confidential. They have also not provided any statement of claim of confidentiality. Further, the responses are in stark violation of the specific guidelines issued by the Designated Authority with regard to the procedure to be followed for filing of non-confidential version of the exporter’s questionnaire responses. We would, therefore, request the Hon’ble Designated Authority to disregard the submissions of the interested parties and also to reject the response of exporters and deny them the individual treatment.

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

21. The various submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. The petition suffers from excessive confidentiality. The petition provides absolutely no information with respect to volume related information also.
 - ii. The domestic industry has claimed and has been allowed excessive confidentiality in the sense that they have not made available their annual report in the public file.
 - iii. Domestic Industry has also not provided sufficient details of their costing.

Examination by the Authority

22. The Authority made available non confidential version of the information provided by various interested parties to all interested parties through the public file containing non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection as per Rule 6(7).
23. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

“Confidential information”

(1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.”

24. The WTO Agreement on Anti-Dumping provides as follows with regard to confidentiality of information-

“Article-6.5 Any information which is by nature confidential (for example, because its disclosure would be of significant competitive advantage to a competitor or because its disclosure would have a significantly adverse effect upon a person supplying the information or upon a person from whom that person acquired the information), or which is provided on a confidential basis by parties to an investigation shall, upon good cause shown, be treated as such by the authorities. Such information shall not be disclosed without specific permission of the party submitting it.

Article-6.5.1 The authorities shall require interested parties providing confidential information to furnish non confidential summaries thereof. These summaries shall be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information submitted in confidence. In exceptional circumstances, such parties may indicate that such information is not susceptible of summary. In such exceptional circumstances, a statement of the reasons why summarization is not possible must be provided.

Article-6.5.2 If the authorities find that a request for confidentiality is not warranted and if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, the authorities may disregard such information unless it can be demonstrated to their satisfaction from appropriate sources that the information is correct.

Footnote to Article 6.5.2 (footnote 18 of the WTO Agreement on Anti-Dumping) provides as follows:- Members agree that requests for confidentiality should not be arbitrarily rejected.”

25. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

E. MISCELLANEOUS ISSUES

Submissions made by the producers/exporters/other interested parties

26. The submissions made by the domestic industry are as follows:
- i. Injury to the domestic Industry is on account of the non-imposition of the duties on solar modules and the imposition of duty in present case would worsen the condition of the already suffering solar industry.
 - ii. The authority failed to comply with the WTO provisions as it did not notify the Chinese Exporters prior to the initiation of the Investigation.

Submissions by the Domestic Industries

27. The submissions made by the domestic industry are as follows:
- i. The contention of the opposing interested parties that solar Industry is suffering is baseless. It has been claimed in the public brochure of Vikram Solar and other importers that their revenue has grown substantially, which in itself contradicts their argument.
 - ii. The product under consideration accounts for a very small percentage of the total cost of the module manufacturing. Therefore, any imposition of anti-dumping duty on the product under consideration would have negligible bearing on the overall costing of the solar modules.
 - iii. Solar Tempered Glass only accounts for about 5%-6% in the total cost of Solar Photovoltaic Module. Even the imposition of 20-25% Anti-dumping duties will result into increase by at most 1%-2% in the cost of module. The prices of Modules have moved by 25%-30% in the last 2-3 years and in this backdrop this impact is negligible and certainly will not cause a mass scale preference for import of Modules as against buying from domestic sources. Similar sentiments have been raised in the investigations done by EU and the same have been rejected by the authorities.
 - iv. The aggressive attitude of Chinese Exporters for exports is also evident from the fact that European Union and USA have already imposed very high duties on Chinese producers against the exports of solar glass.
 - v. The impositions by European Union and USA have worsened the condition and Chinese producers have intensified dumping in Indian Market. If duties are not imposed, the Domestic Industry is destined to suffer.

Examination by the Authority

28. The claim of the interested parties that the Authority failed to comply with the WTO obligations by not notifying the Chinese exporters prior to the initiation of the investigation is unfounded and without any basis. There is no obligation either under the WTO Agreement or under the Indian laws that the exporters is ought to be informed prior to the initiation itself. The Authority had notified the Embassy of China prior to the initiation in terms of Anti-Dumping Rules. The Authority had also sent exporters' questionnaires, subsequent to issue of Initiation Notification to elicit relevant information from the known producers/exporters in China PR, and give them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules. Therefore the said claim is rejected.
29. As regards the issue of Anti-Dumping duty on the PUC having adverse effect on the solar industry, the Authority observes that the share of the product under consideration in the total cost of solar modules, is minimal. This fact has also been noted in the findings issued by the European Union and USA. Therefore, any major impact of the duties on the solar industry is unforeseen and incorrect. In any case, none of the interested parties has provided any details or substantiation of their claim which could be examined by the Authority.

F. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Normal Value

30. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

(i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 (ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*

(a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely trans shipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Normal Value for China PR

31. Provisions relating to Non- Market Economy countries

1. Annexure-I to AD rules states as under:

7. *In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.*

8. (1) *The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)*

(2) *There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an Anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a nonmarket economy country:*

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)

(3) *The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:*

(a) *the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals*

reflecting supply and demand and without significant state interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and

(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph”.

32. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject country, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following producers and exporters from the subject country filed the prescribed questionnaire responses.

- i. Henan Anciai Hi Tech Co. Ltd.
- ii. Xinyi PV Products (Anhui) Holding Ltd.
- iii. Xinyi Solar (Hongkong) Limited
- iv. Dongguan CSG Solar Glass Co. Ltd.
- v. Wujiang CSG Glass Co. Ltd.

Submissions by the Domestic Industry

33. The submissions made by domestic industry are as follows:

- i. The Domestic Industry had filed full information with regard to the normal value and export price which was necessary for the purpose of initiation of an investigation. In terms of Rule 5, the Domestic Industry is required to give information which is sufficient to justify the initiation of an investigation. Necessary evidence had also been provided in support of their claim of normal value as well as export price.
- ii. China should be considered a non-market economy, in line with the position taken by the Authority in previous cases, and by investigating authorities in other countries. Chinese producers' cost and price cannot be relied upon for determination of normal value.
- iii. China PR should be treated as nonmarket economy country for the following reasons:
 - a) Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values.
 - b) Market economy treatment must be rejected in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with International Accounting Standards (IAS). The requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report.
 - c) Market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the rules. Contrarily, while examining material injury existence of a single parameter is considered sufficient to establish such injury. In other words, where one parameter is sufficient to establish existence of injury, failure to pass one single parameter is sufficient to reject the claim of market economy status.
 - d) It is not for the Authority to establish that the responding companies are operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. But it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.

- e) Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group have not filed the response, market economy status must be rejected.
- f) It has been submitted that the normal value for China in such a case can be determined only in accordance with the provisions of para 7 of the Annexure I to Anti-dumping Rules without invoking proviso to 8(2) in view of the aforementioned facts and circumstances.
- g) The normal value in China can thus be determined on the basis of (a) import price from third country into India, (b) selling price in India, and (b) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. It is also submitted that since these options for determination of normal value are available, the Designated Authority may not kindly consider "any other basis" because this is required to be applied only when other basis listed under the law cannot be applied.
- h) Out of the five responding producers and exporters, only two namely Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd. and Wujiang CSG Glass Co Ltd., have claimed the MET status however, the details provided for the claim are not complete. They have not provided information about their related companies supplying major raw materials used in the production of the subject goods. Their website clearly shows that the company is having advantage as they are procuring raw items and other items within group only. Wujiang and Dongguan have also not provided any information relating Kenda Enterprises Limited ("Kenda"), entity having 25% in the company shares and which can influence the decisions of the company through its board of directors. In view thereof, we humbly request the Authority to kindly reject the MET claim of the company.
- i) The responding producers from China namely Dongguan CSG, Wujiang CSG, Xinyi PV Products (Anhui) and Henan Anciai, have not provided their complete value chain, as their related entities in China have not participated in the investigation.
- j) The responding producers from China have conveniently omitted to provide any information as to the subsidies received by them by the government of China. The balance sheet of the Chinese producers and the investigations carried out by European Union and Turkey clearly show that the Chinese producers have taken benefit from the subsidies provided by the Chinese Government. It is submitted that the omission of such critical piece of information by the Chinese producers amounts to misleading the Authority and renders all the information filed by them dubious. Therefore, the same must be rejected for the want of complete and correct information.

Views of the opposing interested parties

34. The normal value computed in the application for China PR is in contravention of the requirements as provided under Annexure I (7) of the AD Rules. Paragraph 10 of the Initiation Notification, as well as the Application, stipulates that the normal value for China PR has been computed on the basis of the cost of production, duly adjusted.

Examination by the Authority

35. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known producers/ exporters for rebutting presumption of nonmarket economy in accordance with criteria laid down in Para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise the producers/exporters in their country to provide the relevant information.

36. The following producers and exporters from the subject country filed the prescribed questionnaire responses.

- i. Henan Ancai Hi Tech Co. Ltd.
- ii. Xinyi PV Products (Anhui) Holding Ltd. along with the exporter Xinyi Solar (Hongkong) Limited
- iii. Dongguan CSG Solar Glass Co. Ltd.
- iv. Wujiang CSG Glass Co. Ltd.

37. The MET questionnaire was filed by the following producers and exporters from the subject country.

- i. Dongguan CSG Solar Glass C. Ltd.
- ii. Wujiang CSG Glass Co. Ltd.

38. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The exporter/ producer of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- i. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- ii. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- iii. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- iv. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

39. The Authority observes that only two producer exporters from China, viz. M/s Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd. and M/s. Wujiang CSG Glass Co Ltd. have claimed for market economy treatment. However, it has been observed that the said producers/exporters have procured the raw material for the production of PUC from related entities about which complete details as to the rates, extent, and prices of such procurements have not been submitted. The said transaction of raw material is enough to place them on an unfair advantageous position. In view of the same the Authority has decided to not give Market Economy Treatment to the said producers/exporters.

40. Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules provides as under:

“In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.”

41. In view of the above, the normal value for the subject products imported from China PR into India has been determined on "any other basis" by considering best available information with regard to cost of production and after reasonable additions for selling, general & administrative expenses and reasonable profit margin. The normal value has been constructed considering consumption of major raw materials as per information provided by the domestic industry, international prices for major raw materials, conversion cost, interest, SGA, etc. at the levels

allowed for the domestic industry. Further, reasonable profit @ 5% of cost of sales has also been added for constructing Normal Value.

Export price in case of M/s Henan Ancai Hi Tech Co. Ltd., China

42. During the POI, Henan Ancai Hi Tech Co Ltd. has exported subject goods to India as per the details mentioned in Appendix 2 of the Questionnaire response. The exporter has claimed adjustment on account of inland freight, overseas freight, marine insurance, credit cost, Bank charges etc. and the same have been accepted after necessary verification. The CNV & net export price was calculated separately for coated and uncoated for fair comparison and then weighted average for the subject goods is to be determined as below.

Quantity	Constructed Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
MT	USD/MT	Rs/MT	USD/MT	Rs/MT	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	***	25-35

Export price in case of M/s Xinyi Solar (Hongkong) Limited, China

43. During the POI, M/s. Xinyi PV Products (Anhui) Holding Ltd. has exported subject goods to India through its exporter M/s Xinyi Solar (Hongkong) Limited, as per the details mentioned in Appendix 2 of the Questionnaire response. The exporter has claimed adjustment on account of inland freight, overseas freight, marine insurance, credit cost, Bank charges etc. and the same have been accepted after necessary verification. The CNV & net export price was calculated separately for coated and uncoated for fair comparison and then weighted average for the subject goods is to be determined as below.

Quantity	Constructed Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
MT	USD/MT	Rs/MT	USD/MT	Rs/MT	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	***	35-45

Export price in case of M/s Dongguan CSG Solar Glass C. Ltd., China

44. During the POI, M/s. Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd. has exported subject goods to India. Most of the exports are directly and only 8% are through an exporter in Singapore, who has not filed the response and hence not considered co-operative. However, for the direct exports details in Appendix 2 of the Questionnaire response has been submitted and they have claimed adjustment on account of inland freight, overseas freight, marine insurance, credit cost, Bank charges etc. and the same have been accepted after necessary verification. The CNV & net export price was calculated separately for coated and uncoated for fair comparison and then weighted average for the subject goods is to be determined as below

Quantity	Constructed Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
MT	USD/MT	Rs/MT	USD/MT	Rs/MT	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	***	20-30

Export price in case of M/s. Wujiang CSG Glass Co Ltd., China

45. During the POI, Wujiang CSG Glass Co Ltd. has exported subject goods to India as per the details mentioned in Appendix 2 of the Questionnaire response. The exporter has claimed adjustment on account of inland freight, overseas freight, marine insurance, credit cost, Bank charges etc. and the same have been accepted after necessary verification. The CNV & net export price was calculated separately for coated and uncoated for fair comparison and then weighted average for the subject goods is to be determined as below.

Quantity	Constructed Normal value		Net export Price		Dumping Margin			
MT	USD/MT	Rs/MT	USD/MT	Rs/MT	USD	Rs	%	Range
***	***	***	***	***	***	***	***	15-25

Normal value and Export Price for all other producers and exporters

46. For other producers/ exporters from China who have not participated / cooperated in this investigation, the Authority determined the normal value and export price on the basis of best facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. The normal value, net export price and dumping margin in respect of other producers/exporters of the subject goods is to be determined as mentioned in dumping margin table below.

DUMPING MARGIN

47. The dumping margin for subject goods has been determined by comparing constructed normal value and net export price at ex-factory level for coated and uncoated form of the subject goods separately and then weighted average has been calculated. The table below shows the weighted average values for co-operative producers/exporters.

Sr. No.	Producer	NV/CNV	NEP	Dumping Margin		
		USD/MT	USD/MT	USD/MT	%	Range
1.	Henan Ancai Hi Tech Co Ltd	***	***	***	***	25-35
2.	Xinyi PV Products (Anhui) Holding Ltd. through Xinyi Solar (Hongkong) Limited	***	***	***	***	35-45
3.	Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd	***	***	***	***	20-30
4.	Wujiang CSG Glass Co Ltd	***	***	***	***	15-25
5.	Any other	***	***	***	***	35-45

48. It is seen that the dumping margin for the subject goods is more than de-minimus for imports for all the exporters from the subject country.

G. METHODOLOGY FOR INJURY ASSESSMENT AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Views of the Domestic Industry

49. The following are the injury related submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:
- Imports of the product under consideration have shown significant increase over the years with a significant increase in POI. Imports have also shown increase in relation to production and consumption in India;
 - Market share of China in demand is significant. Market share of the domestic industry has decreased in the POI as compared to the base year. The same is due to significant imports from China;
 - With reduction in the prices by the foreign producers, the only choice available to the Indian producer is to either realign their prices with the changes in the import prices or to lose orders and hence the market share;
 - Domestic industry prices, reflects the effect of the prices that are being offered by the importers in the domestic market;
 - The price underselling, price undercutting is positive and substantial. Further, the Domestic Industry is suffering

from price depression as they are not able to increase its prices to reasonable terms. The main reason for this is high volume of imports from China that too at dumped and injurious prices.

- vi. Performance of the domestic industry has steeply deteriorated in terms of profits, return on investments and cash profits to a very significant extent.
- vii. The decline in profitability of the domestic industry was due to significant increase in the import volume at non-remunerative prices from China.
- viii. The increase in selling price was lower than the increase in cost of production and thus the dumped imports are creating price suppression effect on the domestic industry.
- ix. The domestic industry has suffered material injury in connection with dumping of subject goods from China. Further, the domestic industry is threatened with continued injury, should the present condition continue.

Submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties

- 50. The following are the injury related submissions made by the opposing interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority
 - i. The Domestic Industry is not suffering any injury and has improved throughout the injury investigation period;
 - ii. The imports from China have no negative impact on the performance of the Domestic Industry;
 - iii. There is no price undercutting, price suppression and depression and therefore, the claim of Domestic Industry of any injury on account of imports from China should be rejected;
 - iv. The Profitability of the domestic industry has increased with respect to imports and vice-versa.

Examination by the Authority

- 51. The impact of the dumped imports on the domestic industry is to be examine in terms of Para (iv) of Annexure-II of the AD Rules, which states as follows:

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”
- 52. The injury analysis made by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties during the course of the present investigations and considered relevant by the Authority.
- 53. The Authority computed the non-injurious price in accordance with Annexure 3 to the Anti-dumping Rules and the established practices of the DGAD.
- 54. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

I. Volume Effect of Dumped Imports

Import Volume

- 55. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCI&S. The volume of imports of the subject good from the subject country has been analyzed as under:

Particulars	Units	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Imports from subject country	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	292	1185	2379
Imports from other countries	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	0	147	68
Total Imports	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	172	759	1431
Domestic Sales-Applicant	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	144	153	204
Total Demand (MT)	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	150	277	455
Share in Total Imports					
Imports from China PR	%	59	100	92	98
Imports from Other Countries	%	41	0	8	2

56. It is noted from the above table that imports of the subject goods from the subject country have increased in absolute terms in POI as compared to the previous years.
57. The share of imports of subject country in overall imports is 98%. Thus, it is seen that the volumes from subject country are very significant in absolute terms as well as in relation to total imports.

II. Price Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry

58. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from subject country has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from subject country.

a. Price Undercutting

59. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry for subject goods (coated and uncoated glass) and , the weighted average of the two is as below:

Landed Value of Imports of Subject Country	Rs./ MT	37309
Selling Price	Rs./ MT	***
Price Undercutting	Rs./ MT	***
Price Undercutting	%	***
Price Undercutting	Range	5-15

60. The above analysis clearly shows that the Domestic Industry has suffered price undercutting. Further, the Domestic Industry has claimed that they could not increase its selling price due to price pressure of low priced dumped imports from subject country which have also increased substantially in quantitative terms during POI.

b. Price Underselling

61. The Authority has also examined price underselling suffered by them on account of dumped imports from subject country as per DGCIS data. The comparison has been made for coated and uncoated glass, the weighted average of the two is as below:

Landed Value of Imports of Subject Country	Rs./ MT	37309
Non Injurious Price	Rs./ MT	***
Price Underselling	Rs./ MT	***
Price Underselling	%	***
Price Underselling	Range	5-15

62. It is noted from the above table that the domestic industry has suffered significant price underselling on account of imports of the subject goods from the subject country.

c. Price Suppression and Depression

63. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the Petitioner has given details regarding the changes in the costs and prices over the injury period, as detailed below:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Landed Value of Imports of Subject Country	Rs./MT	35,963	42,442	38,082	37,309
Index	Indexed	100	118	106	104
Wt. Average Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	126	157	149
Wt. Average Domestic Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	113	124	127

64. From the above Table, it is clear that the landed value of imports from the subject country decreased in POI as compared to the previous years 2013-14 and 2014-15. Domestic Industry was forced to match their prices with the import prices. Hence the selling price during the POI and the entire injury period are much more than the cost of sales. This clearly proves that the prices of the Domestic Industry are suppressed and depressed.

(III) Economic Parameters of the Domestic Industry

65. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.
66. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:

i. **Market share:** The details of imports, domestic sales and the market share of the domestic industry is as below:

	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Domestic Industry Sale	MT	***	***	***	***
	Indexed	100	144	153	204
Imports from Subject Country	MT	***	***	***	***
Imports from Other Countries	MT	***	***	***	***
Total Imports	MT	***	***	***	***
Total Demand	MT	***	***	***	***
	Trend	100	150	277	455
Market share in Demand					
Of Domestic Sales	%	***	***	***	***
Of Imports from Subject Country	%	***	***	***	***
Of Imports from Other Countries	%	***	***	***	***

As is clear from the above table, imports of the subject goods from subject country have increased throughout the injury investigation period. It is also noted that market share of domestic sales has decreased sharply during POI as compared to the preceding years whereas market share of imports from subject country during the same period has increased substantially.

ii. **Profitability:** It is noted that despite the fact that cost of sales of the Domestic Industry declined in the POI and the selling price increased marginally, they are still unable to make profits due to the price pressure exerted by the dumped imports from the subject country. The Domestic Industry has submitted that they were forced to match the import prices offered by the exporters. It is also seen from the data furnished by the domestic Industry that while the selling price saw an upward trend, the same consistently remained below the cost of sales of the Domestic Industry resulting into continued losses due to the overall pressure on their selling prices.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	126	157	149
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	113	124	127
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(41)	(258)	(133)
Profit/Loss	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(59)	(396)	(272)
PBIT	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(34)	(315)	(211)

- iii. **Return on Investment:** The return on investment has seen significantly negative trend as can be seen from the table below:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
ROI	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(29)	(27)	(168)

- iv. **Production and Capacity Utilization:** It can be seen that the production of the Domestic Industry has increased in the POI as compared to the base year which is largely due to the fact that base they have increased their capacity and started production of coated glass from 2013-14. The capacity utilization of the Domestic Industry also followed the same trend as that of production. It is noted that though the production of the domestic industry has increased, they are still not able to operate at anywhere close to their capacity, this is despite the fact that there is enough demand in the country and the demand has increased in during the injury period.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Capacity	MT	***	***	***	***
Total Production	MT	***	***	***	***
	Indexed	100	132	150	191
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
	Indexed	100	87	99	126

- v. **Sales Volumes:** It is noted that the sales volume of the Domestic Industry has increased gradually during the injury investigation period which is largely to meet the increased demand in the country which has increased during the same period.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Domestic	MT	***	***	***	***
	Indexed	100	144	153	204
Exports	MT	***	***	***	***
	Indexed	100	147	491	634
Total Sales	MT	***	***	***	***
	Indexed	100	144	172	229

- vi. **Inventories:** The data relating to inventory of the subject goods is shown in the following table:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	90	77	61

- vii. **Employment and Wages:** The position with regard to employment and wages is as follows:

	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Employees	Number	***	***	***	***
	Indexed	100	98	106	138
Wages/employee	Rs/Number	***	***	***	***
	Indexed	100	111	132	129

It is noted from the above table that the employees engaged by the Domestic Industry increased in the injury investigation period in line with increase in capacity and production. However, the wages paid to them has decreased during the POI as compared to the immediate previous year.

- viii. **Productivity:** It can be seen from the table below that productivity in terms of production per employee has increased in the POI as compared to the base year. Despite increase in productivity, the performance of the Domestic Industry continued to be negative in POI. Accordingly, productivity is not a factor that can be attributed to injury.

	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Production (MT)	MT	***	***	***	***
Employees	No.	***	***	***	***
Production/employee	MT/No.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	135	144	139

- ix. **Magnitude of Dumping:** Magnitude of dumping is an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry. The analysis shows that the dumping margin determined against subject country is above *de minimis* and significant.
- x. **Ability to raise Capital Investment:** The future investment in the sector is marred by the presence of dumped imports from subject country. The negative profitability, return on investment along with reduced market share indicates that the ability of the domestic industry to raise capital investments for the sector is seriously affected due to the dumped imports from the subject country.
- xi. **Factors affecting domestic prices:** The examination indicates that there is a healthy demand in India for the subject goods. The dumped import prices from subject country are directly affecting the prices of the domestic industry in the domestic market. It is also noted that the landed value of subject goods from subject country are below non-injurious price of the domestic industry. Further, landed value from subject country had suppressed / depressed the prices of the Domestic Industry causing financial losses to them. The imports of the product under consideration from countries other than subject country are not injuring the domestic industry or are at non-dumped prices as the prices offered by these countries are significantly higher. Demand for the product is showing an increase trend and, therefore, could not have been a factor responsible for price depression and suppression faced by the domestic industry. It is thus evident that the dumped goods from subject country are responsible for the depressed and suppressed prices of the domestic industry.
- xii. **Growth:** There was positive growth of the domestic industry in terms of sales and production in the POI as compared to the base year. However, profits, cash profit as well as ROI remained negative in the POI as compared to the preceding years despite significant increase in demand. The domestic industry has contended that with increase in demand, the domestic industry had expected growth in profits, comfortable cash flow and increase in return on investments. However, the domestic industry was not able to achieve the same due to the presence of the dumped imports from subject country.

(IV) CONCLUSION ON MATERIAL INJURY

67. After examining the volume and price effects of imports of subject goods from subject country and its impact on the domestic industry, the Authority concludes that the dumped imports of the subject goods from subject country increased significantly throughout the injury investigation period in absolute terms. With regard to price effect on account of imports of subject goods from subject country, it is noted that imports of the subject goods from subject country is suppressing / depressing the prices of domestic industry. Comparison of the landed values with the non-injurious prices of the Domestic Industry also reveals significant price underselling. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is concluded that the performance remained negative in respect of profit, return on investment and cash flow. Thus, the Authority concluded that the domestic industry has suffered material injury during the period of investigation.

(V) OTHER KNOWN FACTORS & CAUSAL LINK

68. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry.

(a) Volume and prices of imports from third countries

69. During POI, imports of the subject goods from countries other than the subject country are not significant in volume and were reported at high prices. Therefore, the imports from other countries cannot be considered to have caused injury to the domestic industry

(b) Contraction of demand and changes in the pattern of consumption.

70. There has been a constant rise in demand of the product concerned throughout the injury period. Therefore, decline in demand is not a possible reason of injury to the Domestic Industry.

(c) Developments in technology:

71. Technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, development in technology is also not a factor causing injury to the domestic injury.

(d) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

72. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the Domestic Industry as the raw materials as well as the subject goods are freely importable in the country.

(e) Export performance of the domestic industry

73. The injury analysis has been done by the Authority taking into consideration their domestic operations only. Therefore, performance in the export market has not affected the present injury analysis.

(f) Productivity of the Domestic Industry

74. It is noted that the productivity of the domestic industry in terms of production per employee as well as production per day has increased over the period.

75. It is thus noted that listed known other factors do not show that the domestic industry could have suffered injury due to these other factors. None of the interested parties has also led any evidence to suggest that the material injury caused to the Domestic Industry is attributable to other known factors. On the other hand, the following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports:

- i. The imported subject goods from subject country were at significantly low prices. Resultantly, the domestic industry was not able to increase its prices commensurate with the increasing costs. The price depression and price suppression suffered by the domestic industry is primarily on account of the dumped imports of the product from subject country.
- ii. The pressure on the domestic prices of the domestic industry led to continued losses and negative return on investment during the POI. The disability to increase price coupled with the increasing costs has materially injured the financial performance of the Domestic Industry.

76. It is therefore, concluded that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports from subject country.

(VI) MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

77. The determined non-injurious price of the subject goods produced by the Domestic Industry in coated and uncoated form has been compared with the landed value of the exports from subject country for determination of injury margin during POI. The weighted average injury margin determined are as under:-

Sr. no.	Producer	Landed Value	NIP	Injury Margin		
		USD/MT	USD/MT	USD/MT	%	Range
I	Henan Anciai Hi Tech Co Ltd	***	***	***	***	5-15
Ii	Xinyi PV Products (Anhui) Holding Ltd. through Xinyi Solar (Hongkong) Limited	***	***	***	***	5-15
Iii	Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd	***	***	***	***	15-25
Iv	Wujiang CSG Glass Co Ltd	***	***	***	***	10-20
V	Any Other	***	***	***	***	20-30

H. POST DISCLOSURE COMMENTS

78. The post disclosure submissions have been received from the interested parties. The issues raised therein have already been raised earlier during the investigation and also addressed appropriately. However, for the sake of clarity the submissions by the interested parties are being examined as below:

Submission made by the Domestic Industry

79. The submissions have been summarized as below:

- The response of Chinese producers/exporters ought to be rejected as they have failed to provide any information as to the subsidies received by them from the government of China. The balance sheet of the Chinese producers and the investigations carried out by European Union and Turkey clearly show that the Chinese producers have taken various benefit from the Chinese Government. The omission of such critical piece of information by the Chinese producers amounts to misleading the Authority and renders all the information filed by them dubious.
- The responding producers from China namely Dongguan CSG, Wujiang CSG, Xinyi PV Products (Anhui) and Henan Anciai, have not provided their complete value chain, as their related entities in China have not participated in the investigation. Therefore, the responses of Chinese producers should be rejected for want of full and complete response.
- The producers/exporters from China have not disclosed the details with regard to percentage shareholding. It has also not given any details regarding all the related companies who are engaged in the production related activity of the subject goods.
- Wujiang has not provided information about its related companies supplying one of the major raw material used to produce subject goods. Their website clearly states that the company is having advantage as they are procuring raw items and other items within group only.

Submission made by other interested parties/Producers/Exporters/Importers

80. The submissions have been summarized as below:

- Disclosure statement does not capture all the submissions of All India Solar Industries Association (AISIA) such as submissions on material injury.

- b) The Authority has treated some basic information such as trend of ROI, provided on non-confidential basis in the petition by the petitioner, as confidential in the Disclosure Statement. Thus the Disclosure statement suffers from serious flaws hence should be reissued by the Authority with necessary facts.
- c) Disclosure statement does not show any material injury as the domestic sales of the Domestic Industry have doubled in the POI as compared to the base year, also significant growth is demonstrated in interest cost, production and capacity utilization. The alleged dumped imports have not caused any impact on the wages and employment since there is substantial improvement in the production performance of the employees.
- d) The Authority has accepted the Export price of M/s Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd, China and M/s Wujiang CSG Solar Co Ltd as it was submitted with the Exporter's Questionnaire response without any further adjustment to the export price (with the only exception of ignoring 8% of the total transaction made through Singapore in case of. M/s Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd). Any other adjustment to the Export Price and not mentioned in the Disclosure statement may amount to violation of principle of natural justice.
- e) The rejection of MET claim of Dongguan CSG and Wujiang CSG by the Authority was done on wrong and misleading grounds that Dongguan CSG has procured raw material from related parties and the detail of rates, extent and prices of such procurements have not been provided to the Authority. Despite been the categorical disclosure at all appropriate time that it is only Dongguan CSG and not Wujiang CSG, who have purchased raw material from related parties. The Authority has alleged that Wujiang CSG has purchased raw material from related party is factually incorrect. The onsite verification was not conducted at China for Dongguan CSG and Wujiang CSG despite filing detailed questionnaire response and repeated request by the parties.
- f) The trend analysis of landed value, cost of sales and average selling price reflects that the domestic price of subject goods has increased substantially during the POI as compared to the previous years 2013-14 and 2014-15. The domestic industry is able to increase the domestic selling price during the POI, despite decline in the landed value of alleged dumped article as well as cost of production.
- g) The Applicant has utilized the production capacity to the optimum level. There is no scope for the Applicant to meet the increasing demand of the country. Thus it is evident that the levy of anti-dumping duty will not improve quantitative economic parameters of the Applicants.
- h) There is huge adverse impact of imports of solar cells and modules from various countries but the Authority has not taken into account the adverse impact due to non-imposition of anti-dumping duty on solar cells and modules while arriving at price injury.

Examination by the Authority

81. It is noted that the issues raised at post disclosure stage have already been examined by the Authority in above relevant paragraphs, however for the sake of the clarity of the submissions they are addressed as below:
- a) The parties were given sufficient opportunity to verify the data marked as non-confidential kept in public file for inspection, and wherever it has been erroneously marked confidential; the same has been rectified in the Final Findings. It has not affected the rights of any interested party because of availability of all such information in Public File.
 - b) As regards the issue of rejection of MET claim by M/s Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd, China and M/s Wujiang CSG Solar Co Ltd it has been observed that both the companies are jointly controlled by the parent company CSG Group. Within the CSG Group products are sold and also raw materials purchased and technical services received. It is also noticed that loans are also provided within the CSG Group. In the books of accounts it is also noticed that there are accounts receivable, interest payable and other payables within the groups. The exporters failed to substantiate with the documents that all these transactions are at arm's length. In view of that the Authority has rejected the MET claim of both the exporters.
 - c) As regards the issue of calculation of Net Export Price of M/s Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd, China and M/s Wujiang CSG Solar Co Ltd, the Authority has calculated the NEP after deducting inland freight, handling

charges, overseas freight, overseas insurance, export packing, credit expenses, bank charges and 4% non-refundable VAT adjustments as per the records submitted by the exporters.

- d) The dumped imports of the subject goods from subject country increased significantly throughout the injury investigation period in absolute terms and the imports are suppressing/depressing the prices of domestic industry. Comparison of the landed values with the non-injurious prices of the Domestic Industry also reveals significant price underselling. The performance of the Domestic Industry remained negative in respect of profit and return on investment. There is healthy growth in demand of the subject goods and production as well as sales of Domestic Industry has increased, however, the increase in selling price is not as much as the cost of sales, thereby, causing material injury to the Domestic Industry.
- e) With regard to the submission that the petitioner is not in a position to meet the entire Indian demand and even the capacity set up by the petitioner is less than the total Indian demand, the Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still access all sources of supply at a fair market price. The Authority further notes that the antidumping rules provide for imposition of suitable and adequate anti-dumping measure to provide a fair and level playing field to the domestic industry vis-à-vis dumping.

H. CONCLUSION

82. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- i. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its associated normal value;
- ii. The domestic industry has suffered material injury;
- iii. The material injury has been caused by the dumped imports of the subject goods from subject countries.

Indian Industry's Interest And Other Issues

83. The Authority recognizes that imposition of antidumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the Domestic Industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or more sources of supply.
84. The Authority notes that the purpose of antidumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

I. RECOMMENDATIONS

85. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the Domestic Industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of antidumping duty is required to offset dumping and injury. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.
86. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, so as to remove the injury to the Domestic

Industry. Accordingly, the antidumping duty equal to the amount indicated in Col No.9 of the table below is recommended to be imposed on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.

Duty Table									
Sl. No	Tariff Code*	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount (in USD)	UOM
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)		(9)	(10)
1)	70071900	Textured Toughened (Tempered) Coated and Uncoated Glass	**	China PR	China PR	Henan Ancai Hi Tech Co Ltd	Henan Ancai Hi Tech Co Ltd	64.04	MT
2)	70071900	-do-	**	China PR	China PR	Xinyi PV Products (Anhui) Holding Ltd.	Xinyi Solar (Hongkong) Limited	52.85	MT
3)	70071900	-do-	**	China PR	China PR	Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd	Dongguan CSG Solar Glass Co Ltd	97.63	MT
4)	70071900	-do-	**	China PR	China PR	Wujiang CSG Glass Co Ltd	Wujiang CSG Glass Co Ltd	83.38	MT
5)	70071900	-do-	**	China PR	China PR	Anyone other than above S.No. 1 to 4	Anyone other than above S.No. 1 to 4	136.21	MT
6)	70071900	-do-	**	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	136.21	MT
7)	70071900	-do-	**	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	136.21	MT

* Custom classification is only indicative and the determination of the duty shall be made as per the description of PUC

** Textured Toughened (Tempered) Glass with a minimum of 90.5% transmission having thickness not exceeding 4.2 mm (including tolerance of 0.2 mm) and where at least one dimension exceeds 1500 mm, whether coated or uncoated.”

87. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.
88. An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

Dr.INDER JIT SINGH, Addl. Secy. & Designated Authority